



संक्षिप्तवार्ता

तिरुपति फैक्ट्री में भीषण धमाका: 5 मजदूरों की मौत, 10 से ज्यादा गंभीर

तिरुपति। जिले के सत्यवेडु विधानसभा क्षेत्र में स्थित श्री सिटी औद्योगिक क्षेत्र की एक निजी फैक्ट्री में बीते शनिवार को एक भीषण बॉयलर धमाके में पांच मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में 10 से ज्यादा मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें इलाज के लिए तिरुपति के आरयूप और एसबीआईएमएस अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री की छत की चादरें और मशीनें दूर तक जा गिरीं, जिसके बाद परिसर में भीषण आग लग गई और चारों तरफ धुएं का गुबार फैल गया।

हादसे के वक्त फैक्ट्री में रोज की तरह काम चल रहा था। बॉयलर यूनिट से अचानक तेज आवाज आई और पलक झपकते ही जोरदार धमाका हो गया। धमाके के बाद आग तेजी से फैल गई, जिसकी चोट में कई मजदूर आ गए। कुछ लोग झूलस गए जबकि कई मलबे में दब गए, जिससे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

राहुल गांधी ने लांच किया सत्याग्रह मंच: अन्याय के खिलाफ एकजुट हों

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को सत्याग्रह नामक नए मंच का शुभारंभ किया। महात्मा गांधी की जयंती पर लांच इस पहल का उद्देश्य देशभर में अपने अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष कर रहे लोगों की आवाज को एक साझा मंच पर लाना है। अपने वीडियो संदेश में राहुल गांधी ने कहा, जेन जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं, हर संघर्ष की अपनी कहानी है, पर जो आवाज अकेली उठती है, वहां अक्सर दब जाती है। उन्होंने अब नए सत्याग्रह का समय बताकर लोगों से उनके संघर्षों को साझा करने की अपील की।

43वीं मंजिल से युवक ने लगाई छलांग, कई टुकड़ों में बंटा शरीर

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-94 में सुपरनोवा सोसाइटी की 43वीं मंजिल से कूदकर एक युवक ने जान दे दी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामला थाना सेक्टर-126 क्षेत्र का है। ऊंचाई से गिरने के कारण युवक का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सामने आया है कि युवक के शरीर के कई हिस्से हो गए। जानकारी के मुताबिक मृतक ने एक दिन पहले ही सुपरनोवा में कमरा बुक किया था। घटना के दौरान जब युवक ऊंचाई से कूदने की कोशिश कर रहा था, तभी वहां मौजूद एक एसी मैकेनिक ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह उसे रोक नहीं सका।

नायरा का पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपए महंगा

नई दिल्ली। नायरा एनजी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5 प्रति रुपए लीटर और डीजल में 3 प्रति रुपए लीटर का इजाफा किया है। नई कीमतें शनिवार सुबह से ही लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी के बाद भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 119.54 रुपए और डीजल 103.64 रुपए का हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में आई तेजी के बाद रिटेल कीमतों और बढ़ती लागत के बीच के अंतर को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

देश के आठ एयरपोर्ट पर लगेंगे फुल बॉडी स्कैनर, नहीं दिखाई जाएगी असली तस्वीर

नई दिल्ली। एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा जांच का तरीका बदलने की तैयारी है। देश के आठ एयरपोर्ट पर फुल बॉडी स्कैनर लगाए जाएंगे। इनमें से तीन एयरपोर्ट पर मशीनें पहुंच चुकी हैं, जबकि बाकी पांच एयरपोर्ट पर इन्हें जल्द लगाने की योजना है। इन मशीनों से जुड़े डेटा को इकट्ठा किया जा रहा है और उसका विश्लेषण भी किया जा रहा है। इस तकनीक का मकसद यात्रियों की सुरक्षा जांच को बेहतर बनाना है। फुल बॉडी स्कैनर को लेकर सबसे बड़ी चिंता प्राइवसी की है। सरकार की ओर से बताया गया है कि ये स्कैनर तस्वीर पर निर्भर नहीं होंगे। इसका मतलब है कि



स्क्रीन पर यात्री की असली तस्वीर नहीं दिखाई जाएगी। इसके बजाय शरीर का एक सामान्य मॉडल नजर आएगा। इससे सुरक्षा कर्मचारियों को यात्री की पहचान

सुरक्षा व्यवस्था की सनीक्षा भी हो रही है स्कैनर के एल्गोरिदम को तैयार करने के लिए भारतीयों के आम पहनावे और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं से जुड़ा डेटा भी शामिल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सामान्य वस्तुओं और संदिग्ध वस्तुओं के बीच अंतर पहचानने में मशीन को मदद करना है जैसे- कपड़ों या सामान्य इस्तेमाल की किसी वस्तु को गलत तरीके से संदिग्ध मानने की आशंका कम करने के लिए सिस्टम को प्रशिक्षित किया जाएगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक फ्लॉइडबर्ग से जुड़ी घटना के बाद पैदा हुई स्थिति को देखते हुए भारत सुरक्षा के पहलुओं पर काम कर रहा है। मामले की जांच की जा रही है और जरूरत के मुताबिक सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी हो रही है।

या शरीर की वास्तविक तस्वीर देखे बिना जांच करने में मदद मिलेगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य सुरक्षा जांच और यात्रियों की निजता के बीच संतुलन बनाए रखना है। इन स्कैनरों का काम संदिग्ध या असामान्य वस्तु की पहचान में मदद

करना होगा। स्क्रीन पर शरीर के मॉडल के उस हिस्से की जानकारी दिखाई देगी, जहां कोई संदिग्ध वस्तु मिलने की आशंका होगी। इसके बाद सुरक्षा कर्मचारी जरूरत के मुताबिक आगे की जांच कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक नागरिक उड्डयन सचिव ने कहा कि यदि किसी एडवाइजरी की जरूरत होती है, तो इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी जाएगी उनके मुताबिक इस मामले में नीति के स्तर पर भी काम किया जा रहा है।

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना

अंतरिक्ष से ही तस्वीरों को समझकर तुरंत जानकारी भेजेगा

हैदराबाद। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीट्रस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्टर-18 मिशन से रात 11:48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच और विश्लेषण होता है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा। कंपनी टेकमीट्रस्पेस के सीईओ रौनक कुमार



सामंत राय के मुताबिक अगर किसी सैटेलाइट ने 300 जीबी डेटा जुटाया है और उसमें से केवल 5 जीबी जानकारी काम की है तो एआई जरूरी डेटा की पहचान करके वही जानकारी धरती पर भेज सकता है। इससे डेटा ट्रांसफर का समय और खर्च कम होगा।

भारत का युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल स्पेन पहुंचा, दोनों देशों की नौसेना अनुभव करेंगी साझा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का शक्तिशाली युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल स्पेन के वालेसिया पहुंच गया है। वालेसिया बंदरगाह पहुंचा यह युद्धपोत भूमध्य सागर, अटलांटिक और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में भारतीय नौसेना की जारी तेनाती का हिस्सा है। इस दौरान भारतीय और स्पेन की नौसेना के जवान एक-दूसरे के साथ अनुभव साझा करेंगे। दोनों नौसेनाओं के बीच वालेसिया में कई ऑपरेशनल गतिविधियां चलेंगी। इसके अलावा खेल और

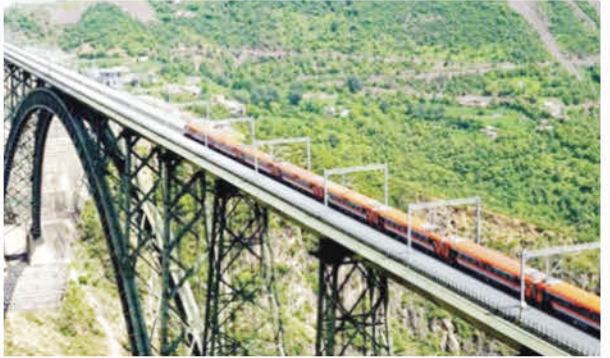


सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन गतिविधियों से दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच आपसी समझ और सहयोग को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा। समुद्री अभियानों से जुड़े अनुभव साझा करने से दोनों नौसेनाओं को एक-दूसरे की कार्यणाली को करीब से समझने में भी मदद मिलेगी। बता दें आईएनएस त्रिशूल की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब भारतीय नौसेना मित्र देशों के साथ अपने समुद्री संपर्क को लगातार मजबूत कर रही है।

सतपुड़ा की वादियों ने जीता राइडर्स का दिल, सावरवानी-तामिया पर हुए मोहित

छिंदवाड़ा। सतपुड़ा की हरी-भरी वादियां, तामिया की खूबसूरती और पातालकोट का रोमांच देश-विदेश से आए बाइक राइडर्स को अपना मुरीद बना गया। मध्यप्रदेश में एडवेंचर और अनुभव आधारित पर्यटन को नई पहचान देने के उद्देश्य से निकली 10 दिवसीय मोटरसाइकिल एक्सपीडिशन शनिवार को सावरवानी और तामिया पहुंची।



दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर 100 किमी की रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में 1178 फीट की ऊंचाई पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज पर वंदे भारत एक्सप्रेस 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका वीडियो भी शेयर कर इसे ऐतिहासिक पल बताया। ट्रायल के बाद 111 किलोमीटर लंबे वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम ट्रेन की स्पीड को 75 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दी है।

बता दें चिनाब ब्रिज की ऊंचाई 359 मीटर है। यह फ्रांस के एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा है। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ने एक नया रिकॉर्ड बनाया। इससे यूरसबीआरएल प्रोजेक्ट पर ट्रेन का संचालन आसान होगा। यात्रा का समय कम होगा और यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। जून 2025 में कश्मीर रेल लिंक का काम पूरा होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू में कटरा और श्रीनगर के बीच चलाई गई थी। अप्रैल 2026 में इसे जम्मू त्वी तक बढ़ाया। साथ ही ट्रेन में कोच की संख्या

आठ से बढ़ाकर 20 कर दी गई है। रेल मंत्रालय के मुताबिक जम्मू-श्रीनगर के बीच नियमित सेवा 2 मई को शुरू हुई। रेल मंत्रालय ने अगस्त में कहा था कि अब लगभग 81 फीसदी नेटवर्क को 110 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा की स्पीड के लिए अपग्रेड कर दिया गया है। 2014 में यह आंकड़ा करीब 40 फीसदी था। कटरा-बनिहाल सेक्शन 272 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। यह पूरा लिंक जून 2025 में चालू हुआ था। चिनाब रेल ब्रिज नदी के तल से 359 मीटर ऊपर बना है और इसकी लंबाई 1,315 मीटर है। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज चिनाब ब्रिज को भूकंप, बाढ़, बर्फबारी और विस्फोटकों से बचाने के लिए खास तरीके से तैयार किया गया है। यह भूकंप के लिहाज से काफी सुरक्षित है और रिक्टर स्केल पर 8 की तीव्रता वाले भूकंप को भी आसानी से झेल सकता है। इस ब्रिज को अगले 120 साल के लिए बनाया गया है। इस पुल की कुल लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

डीजल संकट से दो-चार हुई दुनिया, अमेरिका से भारत तक ईंधन आपूर्ति पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। दुनिया इस समय कच्चे तेल की उपलब्धता से ज्यादा डीजल और अन्य रिफाईंड पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को लेकर दबाव में है। अमेरिका, यूरोप, रूस, चीन और भारत समेत कई देशों में डीजल की उपलब्धता और कीमतों को लेकर चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा संकट के पीछे केवल कच्चे तेल की कमी नहीं, बल्कि युद्ध, रिफाइनरियों पर हमले, आपूर्ति मार्गों में बाधा, रिफाइनिंग क्षमता में कमी और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर नियंत्रण जैसे कई कारण हैं।

अमेरिका में हालात इस कदर दबावपूर्ण हुए कि घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए डीजल निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की संभावना तक पर विचार किया गया। अमेरिका ने यूरोपीय देशों से अपने रणनीतिक डीजल भंडार को बाजार में



उतारने का आग्रह भी किया है। इससे संकेत मिलता है कि दुनिया के प्रमुख ऊर्जा बाजारों में शामिल अमेरिका भी आपूर्ति संबंधी दबाव से अछूता नहीं है। यूरोप की चुनौती इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि वह अमेरिकी डीजल आपूर्ति पर निर्भर है। दूसरी ओर, रूस ने अक्टूबर के अंत तक डीजल निर्यात प्रतिबंध बढ़ा दिया है। यूक्रेन की ओर से रूसी तेल रिफाइनरियों और ऊर्जा ढांचे पर किए

भारत के सामने दोहरी चुनौती

भारत के लिए मौजूदा स्थिति चुनौती के साथ अवसर भी लेकर आई है। भारत दुनिया के बड़े तेल आयातकों में शामिल है, लेकिन उसकी बड़ी रिफाइनिंग क्षमता उसे वैश्विक पेट्रोलियम बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका देती है। पश्चिमी देशों में डीजल की कमी बढ़ने पर भारतीय रिफाइनरियों के लिए निर्यात की मांग बढ़ सकती है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेज वृद्धि से भारत की आयात लागत बढ़ेगी, जिसका असर परिवहन, कृषि और घरेलू महंगाई पर पड़ सकता है।

गए हमलों से वहां की रिफाइनिंग क्षमता और निर्यात प्रभावित होने की बात सामने आई है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार

में डीजल की कीमत करीब 1,500 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई है, जो संकट से पहले के स्तर की तुलना में लगभग दोगुनी बताई जा रही है।

डीजल संकट का असर केवल पेट्रोल पंपों तक सीमित नहीं है। ट्रक, बस, निर्माण कच्चा तेल हासिल करने की नहीं, बल्कि ढुलाई का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। ईंधन महंगा होने पर खाद्यान्न से लेकर औद्योगिक कच्चे माल और रोजमर्रा की

वस्तुओं तक की परिवहन लागत बढ़ सकती है। अमेरिका में किसानों के लिए फसल कटाई की लागत बढ़ने की स्थिति भी सामने आई है। मौजूदा संकट ने ऊर्जा बाजार की एक महत्वपूर्ण कमजोरी सामने ला दी है। दुनिया के सामने चुनौती केवल पर्याप्त कच्चा तेल हासिल करने की नहीं, बल्कि उसे डीजल जैसे जरूरी ईंधन में बदलने, सुरक्षित रूप से परिवहन करने और जरूरत वाले बाजारों तक पहुंचाने की भी है।

रणनीतिक भंडार से राहत की कोशिश

संकट के बीच जी-7 देशों ने 100 मिलियन बैरल कच्चे तेल और डीजल समेत पेट्रोलियम भंडार जारी करने पर सहमति जताई है। यूरोप भी अपने रणनीतिक भंडार से डीजल बाजार में उतारने की तैयारी कर रहा है। इससे अल्पकाल में आपूर्ति का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि युद्ध, रिफाइनरी हमले और निर्यात प्रतिबंध लंबे समय तक जारी रहे तो डीजल की तंगी 2027 तक बनी रह सकती है।



सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में 5 को सुनवाई

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में 5 अक्टूबर को सुनवाई होगी। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की पीठ महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करेगी। इन याचिकाओं में स्पेशल समरी रवीजन (एसआईआर) से जुड़े कथित एक्टरफा फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर में किए गए बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग हुई है। याचिकाकर्ताओं ने सीईसी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग की है।

याचिकाओं में गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इस पूरे मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एसआईटी या न्यायिक जांच करने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, ईसीआईएनट और ईआरओनेट का फॉरेंसिक ऑडिट करने की मांग की गई है। याचिका में सीईसी ज्ञानेश कुमार से आयोग की सामूहिक शक्ति के इस्तेमाल का कानूनी आधार बताने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, ईसीआई के मूल रिकॉर्ड, फाइल नोटिंग और बैटकों के कार्यवृत्त को तलब करने की भी मांग की गई है। याचिकाओं में सबसे बड़ी मांग यह है कि जब तक सुनवाई पूरी नहीं होती, तब तक ज्ञानेश कुमार को सीईसी के तौर पर काम करने से रोका जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि अगर एसआईआर से जुड़े फैसले एक्टरफा लिए गए हैं और सॉफ्टवेयर में बदलाव किया है, तब यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। इसलिए कोर्ट को इस पूरे मामले की गहराई से जांच करनी चाहिए और चुनाव आयोग के रिकॉर्ड को सामने लाना चाहिए।

संपादकीय घोषणा-पत्र गायब !

हमारे देश में दो सबसे प्रमुख संवैधानिक संस्थाएं हैं–सर्वोच्च अदालत और चुनाव आयोग। अक्सर शीर्ष अदालत चुनाव आयोग के फैसलों, कार्य–उपगाली और अभियानों में हस्तक्षेप नहीं करती। दलील दी जाती रही है कि वह भी संवैधानिक संस्था है, लिहाजा संविधान की गरिमा और वैधता को समझती है। अलबता सर्वोच्च अदालत आयोग के फैसलों की आधी–अधूरी समीक्षा जरूर करती रही है। सवाल है कि फॉर्म 6 के साथ जो घोषणा–पत्र नहीं किया गया था, उसे सर्वोच्च अदालत ने अवैध करार क्यों नहीं दिया? आयोग को निर्देश क्यों नहीं दिए गए कि फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव उसके अधिकार–क्षेत्र में नहीं है? संसद और भारत सरकार की स्वीकृति और अधिसूचना के बाद ही चुनाव आयोग कोई बदलाव कर सकता था। अब अचानक 26 सितंबर को आयोग का फैसला सामने आया कि जहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हो चुका है अथवा अभी होना है, वहां फॉर्म 6 के साथ घोषणा–पत्र की अनिवार्यता नहीं है। बीबी 30 सितंबर को आयोग के साफटैवर तंत्र से ही फॉर्म 6 के साथ वाला घोषणा–पत्र गायब हो गया। कहां गया घोषणा–पत्र…? अब किसने फैसला लिया कि घोषणा–पत्र हटा दिया जाए? क्या यह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता और दोनों चुनाव आयुक्तों–सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी–का साझा निर्णय है? देश को जानने का लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सवाल भी तार्किक लगते हैं कि फॉर्म 6 में अवैध तरीके से बदलाव किसके आदेश से किया गया? टाटा कंसल्टंसी सर्विसेज (टीसीएस) को आदेश किसने दिया? कंपनी में किसने मंजूरी दी? हालांकि नेता प्रतिपक्ष ने घोषणा–पत्र गायब होने का मुद्दा अभी नहीं उठाया है। घोषणा–पत्र को हटाने अथवा गायब होने का महत्व इसलिए है, क्योंकि लाखों वैध मतदाताओं को बाध्य कर घोषणा–पत्र भरवाए जा रहे थे। सॉफ्टवेयर में ऐसी व्यवस्था की गई थी कि यदि मतदाता अपने मताने–मताना या दादा–दादी के मतदाता होने की पुष्टि नहीं करता अथवा वह कॉलम नहीं भरता, तो उसे भी मतदाता–सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। फॉर्म 6 के साथणा–पत्र के जरिए मतदाताओं को झूठ बोलने को भी विवश किया जाता रहा है कि वह पहली बार मतदाता बनने जा रहे हैं।

इससे पहले उन्होंने कभी भी मतदान नहीं किया। यह मामला भी शीर्ष अदालत के सामने उठाना चाहिए। इंडी गवर्धन की बैठक में प्रेक्षता अधिकता एवं सांसद कपिल सिब्बल ने सुझाव दिया था कि आयोग में आईटी सॉफ्टवेयर सिस्टम की महानिदेशक सीमा खन्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करानी चाहिए, क्योंकि सीईसी ज्ञानेश को तो 2023 के कानून के मुताबिक कानूनी कवच मिला हुआ है। नतीजतन तय हुआ कि देश भर में सीमा खन्ना के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज कराई जाएंगी। यह भी विपक्ष के राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा है। बहरहाल फॉर्म 6 के साथ घोषणा–पत्र की बाध्याएं घोर संवैधानिक क्रूरता और अवैधता की व्यवस्था थी। यदि असहमत दोनों चुनाव आयुक्तों के जरिए इस संबंध में सवाल सार्वजनिक नहीं किए जाते, तो तय था कि फॉर्म 6 का फ़ौंड भी बेनकाब नहीं होता। बहरहाल चुनाव आयोग ने अब भी स्पष्ट नहीं किया है कि फॉर्म 6 के साथ वाला घोषणा–पत्र हटाने का निर्णय किस स्तर पर लिया गया? घोषणा–पत्र के कारण जिनका मताधिकार छीन लिया गया, क्या वह बहाल किया जाएगा? और कब तक यह संभव होगा? जुलाई और सितंबर के बीच ऐसा क्या हुआ कि घोषणा–पत्र अचानक गायब करना पड़ा? उसे हटाने की प्रशासनिक प्रक्रिया का खुलासा भी नहीं किया गया है। यदि घोषणा–पत्र गायब नहीं किया गया है, तो सॉफ्टवेयर पर दिखाई क्यों नहीं दे रहा है? चुनाव आयोग देश की जनता को न बताए, लेकिन सर्वोच्च अदालत के सामने तो सच बताना ही पड़ेगा। शीर्ष अदालत की अखिन–परीक्षा होनी है, क्योंकि एसआईआर को अवैध करार देकर उसे हटाने, कस करने की मांग याचिका के जरिए की गई है। दिल्ली में जिन लोगों को नोटिस दिए गए हैं, उनके आधार और पारदर्शिता को चुनौती देते हुए एसआईआर के खिलाफ भी याचिकाएं शीर्ष अदालत के विचारार्थी हैं। बेशक बिहार चुनाव के दौरान शीर्ष अदालत ने एसआईआर को संवैधानिक करार दिया था, लेकिन उसके बाद 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम सुचियों से काट दिए गए हैं। कुछ और आयाम भी उभर कर सामने आए हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत को अब न्यायिक, संवैधानिक व्याख्या वाला फैसला सुनाना ही पड़ेगा। व्यवस्था ऐसी बने कि चुनाव आयोग निष्पक्ष होकर काम कर सके।

विमान में बैठे यात्रियों के लिए उड़ान का समय सामान्यतः रोमांच और सुविधा का अनुभव होता है, लेकिन जब हजारों फीट की ऊंचाई पर अचानक कोई गंभीर संकट सामने आ जाए तो कुछ ही क्षणों में पूरी स्थिति जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। ऐसे समय में विमान के पायलट की भूमिका केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसकी सझाबूझ, धैर्य, निर्णय क्षमता और साहस सैकड़ों लोगों के जीवन की रक्षा का आधार बन जाती है।

आलेख

पेट्रोल–डीजल के बढ़ते खर्च के बीच सरकार का बड़ा कदम। नए यात्री वाहनो के लिए सीएफई–3 नियम, शाहक की अरह और पर्यावरण को सुरंे–सरकार ने तय किए ना ईंधन नियम – एव्रोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोविद्या महाराष्ट्र गोविद्या – वैश्विक स्तरपर केंद्र सरकार ने यात्री वाहनो के लिए कॉरोपरेट एवरेज फ़्यूल रिफ़र्इं ये नियम। 1अप्रैल 2027 से 31 मार्च 2032 तक लागू रहेंगे और भारत में बििकी के लिए बनए या आयात किए जाने वाले नए यात्री वाहनो पर लागू होंगे। इसका सीधा संबंध किसी एक यात्री वाहन के माइलेज से नहीं,बल्कि किसी वाहन निर्माता द्वारा एक वर्ष में बेची गई उसकी पूरी यात्री वाहन (कारो) की औसत ईंधन खपत और उससे होने वाले कार्बन उत्सर्जन से है ध्यान सरकार किसी कंपनी से यह कह रही है कि वह केवल ज्यादा यात्री वाहन बेचने पर ध्यान न दे,बल्कि उसके पूरे वाहन समूह की औसत ईंधन दक्षता भी लगातार बेहतर होे। मैं एव्रोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोविद्या महाराष्ट्र, यह बताना चाहूंगा कि सबसे पहले समझिए कि सीएफई–3 आखिर है क्या? सीएफईकी को बिल्कुल सरल भाषा में समझें उसे यह प्रश्न वाहनो, कारो कंपनियों के लिए ईंधन बचत और परदूषण नियंत्रण का सांख्यिक नियम है।उदाहरण के लिए,किसी कंपनी की कुछ यात्री वाहन, कारें ज्यादा ईंधन खर्च करती है और कुछ कारें कम ईंधन खर्च करती हैं। सरकार प्रत्येक मॉडल को अलग- अलग

कफील खान के मामले में भी बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एनएसए को अवैध बताते हुए इसे रद्द कर दिया था। कानूनी विशेषज्ञों और अदालतों ने कई मौकों पर चिंता जताई है कि पुलिस और जिला प्रशासन अक्सर सामान्य कानून–व्यवस्था के मामलों, राजनीतिक विरोधों, और यहां तक कि स्थानीय विवादों जैसे गोकर्शी, बिजली चोरी या माफिया मामलों में भी बिना पुख्ता आधार के एनएसए का सहारा लेते हैं। इस कानून का दुरुपयोग रोकने को ठोस उपाय होने चाहिए।

देश में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के दुरुपयोग पर सवाल उठते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के कई फैसले से जाहिर हो गया कि सरकारों किस तरह से इस कानून का इस्तेमाल करके राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि में लगी हुई हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के दुरुपयोग ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की फजीहत करा दी। संभल हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मुल्ला अफरोज की एनएसए के तहत हिरासत को रद्द कर दिया। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख का जुमाना भी लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है, जिसमें मुल्ला अफरोज के खिलाफ जारी डिटेंशन ऑर्डर को सही ठहराया गया था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागु की बेंच ने कहा कि प्रिवेंटिव डिटेंशन यानी एहतियाती हिरासत के लिए सिर्फ एक्स्ट्र–जुडिशियल कंफेशन, अर्थात न्यायालय के बाहर किए गए कथित कबूलनामे को ही एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता है। कोर्ट ने गैर–कानूनी प्रिवेंटिव डिटेंशन ऑर्डर जारी करने के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख रुपए का जुमाना लगाते हुए कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारी को मामले से जुड़ी अन्य परिस्थितियों पर भी विचार करना चाहिए था। सुनवाई में अदालत ने पाया कि मुल्ला अफरोज के मामले में अधिकारियों ने अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। संभल में नवंबर 2024 में शाही जामा मस्जिद में कोर्ट के आदेश पर हुए सर्वे के दौरान हिंसा के आरोप में मुल्ला अफरोज को गिरफ्तार किया गया था। बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उसे जमानत दे दी थी। इसके बाद 13 अक्टूबर 2025 को मुल्ला अफरोज के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत डिटेंशन ऑर्डर जारी किया गया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला योगी सरकार और भाजपा के लिए दोहरा झटका है। पहला तो एनएसए का दुरुपयोग और दूसरा अल्पसंख्यकों के प्रति नज़रिया। अल्पसंख्यकों के मामले में सख्ती के भाजपा सरकारों पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं। इससे पहले इलाहाबाद

चुनाव आयोग में प्याज की तरह परत दर परत खुलासा

केंद्रीय चुनाव आयोग सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्या–क्या गुप्त खिला रहा था यह एक के बाद एक स्पष्ट होता चला जा रहा है। हाल ही में फॉर्म नंबर 6 और तार्किक मूल्यांकन के जरिए मतदाता सूची में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे। 2024 के बाद 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए थे। इसके अलावा फॉर्म 7 के माध्यम से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं और ऐसे लोगों के नाम काटे जा रहे थे जो एक पार्टी विशेष को मतदान नहीं करते थे। इस काम में बड़ी संख्या में पन्ना प्रमुख जो एक राष्‍ट्रीय दल द्वारा बनाए गए थे उनकी और चुनाव आयोग की भूमिका अब खुलकर सामने आ गई है, जिसके कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक नई मुसीबत में आ गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है, टाटा कंसलटंसी सर्विसेज से मिलकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया। बीएलओ और क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों के अधिकार कंप्यूटर को देकर मतदाताओं के साथ बहुत बड़ी धोखाधड़ी की गई है। इसके साथ ही चुनाव के दौरान फॉर्म नंबर 7



की सहायता से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हर राज्य में लाखों मतदाताओं के नाम भाजपा के पन्ना प्रमुखों के जरिये काटने का खेल पिछले दो साल से चल रहा है। इसका खुलासा राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र की मतदाता सूची में किए गए गड़बड़ घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था।उसके बाद यह मामला डंडे बरसे में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है।केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह

रासुका के दुरुपयोग पर उठते सवाल

हाई कोर्ट ने नोएडा में गत अप्रैल में हुए मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रा आकृति चौधरी को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में रखने पर गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी अर्थात डीएम रूपम पर पांच लाख रुपए का जुमाना लगाया था। यह राशि उनकी सैलरी से काटकर छात्रा को देने का निर्देश दिया गया था। रूपम ने हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। भाजपा की राज्यों सरकारों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का दुरुपयोग करने के मामलों की लंबी फेहरिस्त है। भाजपा सरकारों को आलोचना पसंद नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम अर्थात रासुका (1980) का मुख्य उद्देश्य देश की सुरक्षा और लोक व्यवस्था को बनाए रखना है। हालांकि विपक्ष, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कानूनी विशेषकों द्वारा केंद्र और विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारों पर राजनीतिक विरोधियों, आलोचकों और प्रदर्शनकारियों की आवाज दबाने के लिए इस कानून का दुरुपयोग करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। पिछले साल सितंबर में लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत रास्थान की जोधपुर जेल में डाल दिया गया। सरकार ने कहा कि हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। देश भर में हुई मोदी सरकार की तीखी आलोचना के बाद केंद्र सरकार ने मजबूर होकर वांगचुक से एनएसए हटा लिया और उन्हें रिहा किया गया। यह वही सोनम वांगचुक हैं जिन्होंने नीट पेपर लोक प्रकरण में मोदी सरकार की सत्ता की नींव को हिला कर दिया था।

वांगचुक ने नीट परीक्षा में अनियमितताओं और शिक्षा मंत्री के खिलाफ जंतर–मंतर पर 28 जून 2026 से भूख हड़ताल शुरू की थी। तबीयत बिगड़ने और 26 दिनों तक चले अनशन के बाद, केंद्रीय मंत्रियों (जेपी नड्डा और डा. जितेंद्र सिंह) के लिखित आश्वासन और सांसदों की अपील पर उन्होंने 24 जुलाई 2026 को गुरुग्राम के मेदांत अस्पताल में अपना अनशन समाप्त किया। विडंबना यह है कि जिस वांगचुक पर एनएसए लगाया गया, उन्हीं का अनशन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रघार के इस्तीफे का एक बड़ा कारण बना। इसी तरह मणिपुर में पुलिस ने पत्रकार किशोरचंद्र वांगखेम और राजनीतिक कार्यकर्ता एंरेडो लीम्ब्वम पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों पर आरोप था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर

पोस्ट कर मणिपुर के दिवंगत भाजपा अध्यक्ष एस तिकेंद्र सिंह की खिल्ली उड़ाई। 40 वर्षीय दोनों आरोपियों ने फेसबुक पर उन्हें 'श्रद्धांजलि देते हुए अलग–अलग पोस्ट कर लिखा था कि गाय का गोबर या गोमूत्र कोविड–19 से बचाव नहीं करते हैं। मणिपुर हाईकोर्ट के जुलाई 2021 में दिए गए आदेश पर पत्रकार वांगखेम को रिहा किया गया। जबकि राजनीतिक कार्यकर्ता लिचोमबाम इंरेद्रो को उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद रिहा किया गया था। एनएसए के दुरुपयोग की सूची में साल 2026 में ही असम में स्वदेशी और भूमि अधिकार कार्यकर्ता प्रणब डोले का मामला भी है। डोले को काजीरंगा में लकजरी होटल निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के कारण गिरफ्तार किया गया। इसके बाद सरकार ने उन पर एनएसए लगा दिया, जिसकी काग्रेस और अन्य नागरिक संगठनों ने ह्दअसाधारण कानूनों को हथियार बनाकर असहमति दवानेह्क के रूप में कड़ी आलोचना की थी।

गोलाघाट सत्र न्यायालय ने 29 जुलाई 2026 को उन्हें जमानत दे दी। राजनीतिक दुर्भावना से एनएसए का इस्तेमाल सहारनपुर हिंसा के मामले में 2017–2018 में भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद पर किया गया। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने आजाद पर एनएसए लगा दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट को जानकारी देते हुए बताया था कि भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद रावण पर से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून हटा लिया था। वर्ष 2019–2020 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने डा. कफील खान पर लोक व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप लगाकर एनएसए के तहत कार्रवाई की थी। कफील खान के मामले में भी बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एनएसए को अवैध बताते हुए इसे रद्द कर दिया था। कानूनी विशेषज्ञों और अदालतों ने कई मौकों पर चिंता जताई है कि पुलिस और जिला प्रशासन अक्सर सामान्य कानून–व्यवस्था के मामलों, राजनीतिक विरोधों, और यहां तक कि स्थानीय विवादों जैसे गोकर्शी, बिजली चोरी या माफिया मामलों में भी बिना पुख्ता आधार के एनएसए का सहारा लेते हैं। चूंकि इस कानून में बिना वकील और बिना औपचारिक आरोपों के किसी को भी महीनों तक जेल में रखा जा सकता है, इसलिए इसे ह्दअपनिवेशिक मानसिकता का कानूनीह और असहमति को दबाने का जरिया माना जाता रहा है। एनएसए का दुरुपयोग रोकने के लिए ठोस उपाय होने चाहिए।

योगेंद्र योगी, स्वतंत्र लेखक

संक्षिप्तवार्ता

ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने फिट रहने के लिए किया योग

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की उत्तरी रेंज ने अपने कर्मियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए छत्रसाल स्टेडियम ग्राउंड में हाफिट ट्रैफिक पुलिस, सेफर रोड्सल्ल अभियान के तहत योग सत्र का आयोजन किया। योग सत्र में उत्तरी रेंज के अशोक विहार, समयपुर बादली, नरैला, रोहिणी और अमन विहार ट्रैफिक सर्कल से 10-10 कर्मियों के अलावा सभी ट्रैफिक इंस्पेक्टर सक्रिय रूप से शामिल हुए। डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस की इयुटी बेहद चुनौतीपूर्ण होती है, ऐसे में कर्मियों के लिए शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

योग सत्र का संचालन ट्रैफिक सुनिट की ट्रेनिंग ब्रांच की कान्स्टेबल खरिता ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया और योग के लाभ की जानकारी दी।

जेएनयूटीए ने कुमारस्वामी को प्रोफेसर एमेरिटस बनाने पर उठाए सवाल, जांच की मांग

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेएनयूटीए) ने प्रोफेसर पी.आर. कुमारस्वामी को प्रोफेसर एमेरिटस का दर्जा दिए जाने के जेएनयू प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे वापस लेने और पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। संघ ने आरोप लगाया कि नियुक्ति में विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। जेएनयूटीए ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि प्रोफेसर एमेरिटस का सम्मान विश्वविद्यालय में बहुत चुनिंदा मामलों में दिया जाता है। अब तक केवल 15 प्रतिष्ठित शिक्षकों को यह सम्मान मिला है। संघ का कहना है कि यह सम्मान असाधारणशैक्षणिकयोगदानऔरविश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दिया जाना चाहिए।

गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व पर सजा कीर्तन दरबार

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पिशावरी हिरादरी की ओर से धन-धन साहिब गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व को समर्पित विशेष कीर्तन दरबार का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, राजौरी गार्डन में श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। बड़ी संख्या में संगत ने गुरु घर में हाजिरी भरकर गुरुबाणी कीर्तन का आनंद लिया और गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। समागम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समेठी के महासचिव जगदीप सिंह काहलौ, गुरुद्वारा साहिब के प्रधान हरमनजीत सिंह तथा कमेटी सदस्य इंद्रप्रीत सिंह कोचर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने हाजिरी भरी। रागी जत्थों ने गुरुबाणी कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु चरणों से जोड़ा।

इंदिरापुरम में भव्य कीर्तन समागम, गुरुबाणी से निहाल हुई संगत

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। इंदिरापुरम गुरुद्वारा कमेटी और संगत के सहयोग से ओक्टसीजन मैन गुप्तीर सिंह रम्मी एवं उनकी टीम ने भव्य कीर्तन समागम का आयोजन किया। बड़ी संख्या में संगत ने गुरुबाणी कीर्तन और गुरुमत्त विचारों का श्रवण कर गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित की। समागम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमती सिंह कालका ने विशेष हाजिरी भरी। उन्होंने गुप्तीर सिंह रम्मी और उनकी टीम के सेवा भाव तथा आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थान में अंतिम समय पर बदलाव के बावजूद टीम ने एक दिन में सभी व्यवस्थाएं पूरी कर संगत के लिए बैठने, लंगर और अन्य सुविधाओं का उचित प्रबंध किया।

एकता मिशन सिंगर सितारों की खोज गैड फिनाले-2026 का भव्य आयोजन

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। एकता मिशन एवं मलिक म्यूजिक इवेंट्स द्वारा आयोजित हार्सिंगर सितारों की खोज गैड फिनाले-2026ह् का भव्य आयोजन तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक पापीन तथा पद्मश्री एवं भजन सम्राट और एकता मिशन के चेयरमैन अनूप जलोटा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पवन मोंगा ने की, जबकि आयोजन मलिक म्यूजिक इवेंटस के संस्थापक संजय मलिक ने किया। इस अवसर पर सीनियर जर्नलिस्ट एवं फिल्म क्रिटिक डॉ. सुनील पाराशर को हबरेस्ट फिल्म क्रिटिक जर्नलिस्टह्क के सम्मान से नवाजा गया।

कूड़े के पहाड़ वाली जगह से 100 एकड़ जमीन खाली कराई गई: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ओखला, गाजीपुर और सिंघोला कूड़े के पहाड़ वाली जगह पर कचरा प्रसंस्करण सुविधाओं की आधारशिला रखी। गुप्ता ने कहा कि सरकार ने पिछले डेढ़ साल में शहर के तीन कूड़े के पहाड़ वाली जगहों से 100 एकड़ जमीन खाली कराई है।

इन सुविधाओं का उद्देश्य कूड़े और निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाले कचरे का प्रसंस्करण करना और शहर में कचरे के नए पहाड़ बनने से रोकना है। रेखा गुप्ता ने ओखला में कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार दो मोर्चों पर काम कर रही है, मौजूदा कूड़े के पहाड़ वाली जगह से पुराने कचरे को हटाना और यह सुनिश्चित करना कि रोजाना निकलने वाले कचरे का ढेर लगाए बिना उसका प्रसंस्करण किया जाए।

उन्होंने कहा, आज ओखला में हमने जनवरी 2025 से पहले मौजूद लगभग पूरा पुराना कचरा प्रसंस्कृत कर दिया है ह्दरेखा



गुप्ता ने कहा कि रोजाना करीब 3,000- 4,000 मीट्रिक टन कचरा इस स्थल पर

प्रियंका कक्कड़ ने छोड़ी आप, कहा- बंगला-गाड़ी नहीं लेने की बात थी, अब चॉपर से चलते हैं नेता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) को शनिवार को बड़ा झटका लगा। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता रहीं प्रियंका कक्कड़ ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली।

इस दौरान प्रियंका कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, मुझे वही पुरानी ग्रीन दिल्ली वापस चाहिए, जिसमें मैं बड़ी हुई थी। मुझे साफ-सुथरी और प्रोग्रेसिव दिल्ली चाहिए। दशकों तक राजधानी को देखने के बाद मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी ही ऐसा कर सकती है। उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा, मैंने ऑब्जर्व किया कि आज की राजनीति में अगर कोई नेता सच्चाई



से बात करता है तो वह राहुल गांधी हैं। वह एकमात्र लीडर हैं, जिन्होंने कैमरा के लिए आंसू नहीं बहाए। राहुल गांधी को नीचा दिखाने के लिए पूरी एक मशीनरी लगा दी

आनंद विहार, सराय काले खां बस अड्डों पर दो नए बहु-लेन पीयूसी सेंटर बनाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार शहर के सबसे बड़े अंतरराज्यीय बस अड्डे आनंद विहार और सराय काले खां में दो बड़े बहु-लेन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले सप्ताह शहर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक बड़े पीयूसी जांच अभियान की घोषणा की थी। एक अधिकारी ने कहा, ये भारी और हल्के मोटर वाहनों के लिए समर्पित बहु-लेन पीयूसी केंद्र होंगे, जहां वाहनों की जांच की जाएगी और प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे।

यूनेस्को चेयर सम्मेलन 2026 में डीयू के प्रो. कुमार आशुतोष ने भारत का किया प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कुमार आशुतोष ने जर्मनी के टीयू डर्टमुंड विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय यूनेस्को चेयर सम्मेलन 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में भारत से आमंत्रित वे एकमात्र वक्ता रहे। शिक्षा, कोशल विकास और सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्होंने भारतीय शैक्षणिक दृष्टिकोण और शोध को प्रस्तुत किया।

सम्मेलन का विषय उच्च शिक्षा एवं

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग: सतत विकास लक्ष्यों के सिद्धांत और व्यवहार के बीच सेतु निर्माण रहा। इसमें विभिन्न देशों के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का प्रमुख केंद्र उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की संभावनाएं रही। प्रो. आशुतोष ने सम्मेलन में अपना शोध पत्र पर्यटन क्षेत्र के कर्मचारियों में डिजिटल कौशल की कमी को दूर करना: यूरोपीय संघ और भारत से मिले सबूत

पहुंchedता है और नई इकाई के जरिये उसका नियमित रूप से प्रसंस्करण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार मौजूदा कचरे के पहाड़ों को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है।

संपदा के रूप में करना चाहिए
मुख्यमंत्री ने कहा, लोग देख रहे हैं कि कूड़े के पहाड़ लगातार छोटे हो रहे हैं और जल्द ही ऐसा समय आएगा जब ये पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि कचरा प्रसंस्करण सुविधाओं से बायोगैस, हरित ऊर्जा और खाद का भी उत्पादन होगा। रेखा गुप्ता ने कहा, कचरा सिर्फ कचरा नहीं रहना चाहिए, दिल्ली को इसका इस्तेमाल संपदा के रूप में करना चाहिए।

और खाद बनाने में किया जायेगा
उन्होंने कहा कि कचरे को अलग करने और उसके प्रसंस्करण के लिए नई तकनीकों को अपनाया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में तकनीक आधारित कचरा प्रबंधन व्यवस्था विकसित करने के प्रयासों के तहत कचरे और पशुओं के गोबर का इस्तेमाल बायोगैस और खाद बनाने में किया जाएगा।

दिल्ली हवाईअड्डे पर दो यात्रियों के पास से 1.38 करोड़ रुपये मूल्य का चार किलोग्राम गांजा जब्त
नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बैकोंक से पहुंचे दो भारतीय यात्रियों के सामान से करीब चार किलोग्राम सख्ख गांजा बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों के मुताबिक, बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 1.38 करोड़ रुपये है।एक अधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों यात्री साथ यात्रा कर रहे थे और 29 सितंबर को टर्मिनल-3 पहुंचे थे। सीमा शुल्क अधिकारियों ने 'प्रोफाइलिंग' के आधार पर उन्हें जांच के लिए रोका।

टाटा के नकली उत्पादों के खिलाफ रोहिणी विशेष प्रकोष्ठ की बड़ी कार्रवाई

वेब वार्ता, नई दिल्ली

रोहिणी दिल्ली की मादक पदार्थ प्रकोष्ठ और ब्रांड सुरक्षा एजेंसी प्रोटेक्ट आईपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर टाटा कंपनी के नाम पर बेचे जा रहे नकली उत्पादों के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने किराड़ी सुलेमान नगर क्षेत्र में छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली उत्पाद जब्त किए और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रोटेक्ट आईपी इंडिया की टीम से मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने टाटा के चिह्न और नाम का दुरुपयोग कर बनाए गए नकली पुर्जे, उत्पाद और पैकेजिंग सामग्री का बड़ा जखीरा



की संभावनाओं पर चर्चा हुई।जर्मनी प्रवास के दौरान उन्होंने औद्योगिक अध्ययन भ्रमण के तहत एक व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान का भी दौरा किया। यहां उन्होंने जर्मनी की व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली की करीब से समझा, जिसमें कक्षा में दी जाने वाली शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग की जरूरतों पर विशेष जोर दिया जाता है। संस्थान में ऑटोमोबाइल तकनीक, दंत चिकित्सा, विद्युत प्रणाली और हीटिंग तकनीक जैसे क्षेत्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रो. आशुतोष के अनुसार, करके सिखने की यह पद्धति ज्ञान, कौशल और

में सुरक्षा बल तैनात किए गए थे।विपक्षी दलों और विभिन्न संगठनों का यह प्रदर्शन निर्वाचन आयोग की ओर से कराए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर था। विपक्ष

दिल्ली चिकित्सा परिषद में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण पर फैसला ले सरकार: उच्च न्यायालय
नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)।दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेखा गुप्ता नीत सरकार से दिल्ली चिकित्सा परिषद (डीएमसी) में महिलाओं को कम से कम 50 प्रतिशत आरक्षण देने के संबंध में जल्द निर्णय लेने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने चिकित्सक अंजु गंधी की जनहित याचिका पर 30 सितंबर को यह आदेश दिया। याचिका में परिषद में महिला चिकित्सकों को समान और सार्थक प्रतिनिधित्व देने का अनुरोध किया गया है। अदालत ने कहा कि डीएमसी का गठन दिल्ली चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1997 के तहत किया गया है, जिसमें चुनाव या मनोनयन, किसी भी माध्यम से महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं है, इसलिए अदालत अधिकारियों को ऐसा कानून देने का निर्देश नहीं दे सकती।

बरामद किया। मोके से अवैध कारोबार चला रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बरामद माल को जब्त कर सील कर दिया है।

आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आपूर्तिकर्ताओं और खरीदारों की तलाश में जुटी है।

यूनेस्को चेयर सम्मेलन 2026 में डीयू के प्रो. कुमार आशुतोष ने भारत का किया प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कुमार आशुतोष ने जर्मनी के टीयू डर्टमुंड विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय यूनेस्को चेयर सम्मेलन 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में भारत से आमंत्रित वे एकमात्र वक्ता रहे। शिक्षा, कोशल विकास और सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्होंने भारतीय शैक्षणिक दृष्टिकोण और शोध को प्रस्तुत किया।

का आरोप है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। विपक्षी दलों ने इसी मुद्दे पर विस्तार से ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है।

संक्षिप्तवार्ता

बेटे की सदिव्ध मौत को हत्या बताकर पीड़ित परिवार ने किया प्रदर्शन

मुरादाबाद/वेब वार्ता

थाना भगतपुर क्षेत्र के ग्राम पाडली बाजे निवासी सत्येंद्र प्रकाश ने परिजनों व ग्रामीणों के साथ एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने 19 वर्षीय बेटे नरेंद्र कुमार की सदिव्ध मौत को हत्या बताते हुए नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

परिवार के अनुसार, 27 सितंबर को नरेंद्र का शव अगवानपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास मिला था। शरीर पर घोट के निशान बताए गए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया कि पैसों के विवाद में फहीम और झाइवर अमरपाल ने उसकी हत्या की। परिवार ने पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाते हुए एसएसपी से जांच और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की।

लंबित गन्ना ब्याज भुगतान, एसआईआर पर आंदोलन की तैयारी; किसान युवा संसद बनेगी आवाज

वेब वार्ता, अमरौड़ा

गन्ना किसानों के लंबित ब्याज भुगतान और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के सवाल अब गांव की चौपाल से आंदोलन की जमीन तैयार करेगे। भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा ने तीन से 23 अक्टूबर तक ग्राम महापंचायतों का कार्यक्रम तय किया है। इनमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), गन्ना बकाया, कृषि ऋण, भूमि अधिकार और खेती की बढ़ती लागत के बीच उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के मुद्दे उठेंगे। संगठन इन बैठकों को 26 नवंबर से प्रस्तावित किसान आंदोलन की तैयारी से भी जोड़ रहा है। भाकियू संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि कृषि प्रधान देश में किसान को उसकी लागत, जोखिम और मेहनत के अनुरूप उपज का मूल्य मिलना चाहिए।

जलालाबाद तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे एडीएम अरविंद कुमार ग्रामीणों को बांटे भोजन पैकेट

रामलिवासा शर्मा/वेब वार्ता

शाहजहाँपुर। जिले के जलालाबाद तहसील क्षेत्र में शनिवार को तहसील समाधान दिवस के समापन के बाद एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने जलालाबाद क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। करीब तीन बजे उनका कार्फिला बहगुल नदी के टिकोला पुल व देवी मंदिर के पास पहुंचा। यहां नदी का पानी रास्ते के ऊपर से बह रहा था, जिससे ग्रामीण



नाव के सहारे आवागमन कर रहे थे। एडीएम ने नाव संचालकों को

सुरक्षित संचालन के निर्देश देते हुए

अपनी जायज मांगों को लेकर लामबंद हुए सदर तहसील के लेखपाल



वेब वार्ता, बहराइच। अपनी लंबित मांगों के समाधान को लेकर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की तहसील सदर शाखा के लेखपालों ने चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। शुक्रवार को तहसील दिवस के बहिष्कार के साथ धरना-प्रदर्शन किया गया। लेखपालों ने 2800 ग्रेड पे,

अंतरमंडलीय स्थानांतरण, पदेन्नति सूची जारी करने, भर्ती में वृद्धि तथा प्रभारी राजस्व निरीक्षक के कार्यों से अवमुक्त करने की मांग उठाई। साथ ही लेटाटॉप व मोबाइल, ग्राम सचिवालय में मूलभूत सुविधाएं, सुरक्षा व भत्ते तथा परीक्षा परिणाम घोषित कर स्थायीकरण

की मांग की गई। आंदोलन कार्यक्रम के तहत 8 अक्टूबर को ऑनलाइन कार्य बहिष्कार, 10 अक्टूबर को काली पट्टी, 14 अक्टूबर को मोटरसाइकिल रैली और 17 से 23 अक्टूबर तक धरना होगा। 24 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना प्रस्तावित है।

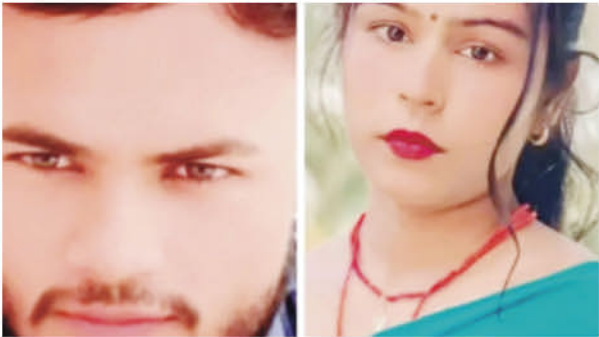
इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष आशुतोष प्रताप सिंह व मंत्री अवशेश कुमार के नेतृत्व में उमेश पाठक, ऋषभ यादव, नीरज त्रिपाठी, जितेंद्र मिश्र, आंचल कोशलेन्द्र, दीपिका दीक्षित, उमा पाल, नेहा त्रिपाठी, रूनेह लता, कु बेर नाथ चौरसिया, सतीश वर्मा, मनीष कुमार, मनीष मोय्य, दिलीप यादव सहित दर्जनों लेखपाल मौजूद रहे।

हरदोई में देवर-भाभी ने फांसी लगाकर दी जान, एक ही घर से उठे दो शव

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। बिलग्राम थाना क्षेत्र के हबीबनगर गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ही परिवार के देवर और भाभी के शव फांसी के फंदे पर लटक मिले। दोनों ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सीमा पत्नी देशराज (35 वर्ष) और राम पुत्र राजाराम (22 वर्ष),



निवासी हबीबनगर, थाना बिलग्राम, जनपद हरदोई के रूप में हुई है। दोनों

आपस में सगे देवर-भाभी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय

हरदोई मे पत्रकारों के हक की आवाज बुलंद

डिमांड दिवस पर जिलाध्यक्ष रीतेश मिश्रा की अगुवाई में उठा पत्रकार सुरक्षा से लेकर नए मीडिया आयोग तक का मुद्दा

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज शुक्रवार को हरदोई में बुलंद हुई। गांधी जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने डिमांड दिवस मनाते हुए पत्रकारों की सुरक्षा, अधिकार और हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठाई। जिलाध्यक्ष रीतेश मिश्रा की अगुवाई में पत्रकारों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार किए जाने की मांग की। यूनियन की ओर से सौंपे गए ज्ञापन



में प्रदेश में नए मीडिया आयोग के गठन, पत्रकारों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार प्रोटेक्शन बिल लागू करने, निरस्त किए गए पत्रकार कानून के वैधानिक अधिकारों की बहाली तथा पत्रकारों की समस्याओं और हितों के

लिए नए वेतन बोर्ड के गठन की मांग प्रमुखता से उठाई गई। यूनियन ने पत्रकारों के विरुद्ध होने वाली कानूनी कार्रवाई को लेकर भी अपनी मांग स्पष्ट की। ज्ञापन में कहा गया कि पत्रकारों के विरुद्ध बिना जांच के



अपराध पंजीकृत न किया जाए और तत्काल गिरफ्तारी से बचा जाए। पत्रकारों से जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच के बाद ही नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई।

यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकार समाज और शासन-प्रशासन के बीच सूचनाओं का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते समय पत्रकारों को सुरक्षा और विधिक संरक्षण मिलना जरूरी है। ज्ञापन के माध्यम से



मुख्यमंत्री से पत्रकार हितों से जुड़ी मांगों पर आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रीतेश मिश्रा, दिवाकर मिश्रा, हरिश्याम बाजपेई, पूर्ण चंद गुप्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक, गोपाल द्विवेदी, हरिवंश तिवारी, विजयलक्ष्मी सिंह, मुकेश वर्मा, अजय त्रिपाठी, राजेश गुप्ता, सदीप शर्मा, गोपाल शुक्ला, सुनील यादव सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

ग्रीन कॉरिडोर की मदद से 16 मिनट में पहुंचा डोनर हार्ट

फोर्टिस नोएडा में 56 वर्षीय मरीज का सफल ट्रांसप्लांट



अंग उपलब्ध कराने में मदद की

उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एयरपोर्ट अथॉरिटीज, जिला प्रशासन और नेशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की गई। डोनर हार्ट को हवाई मार्ग से हिंडन एयरपोर्ट पहुंचाया गया। इसके बाद एयरपोर्ट से फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा तक का सफर महज 16 मिनट में पूरा किया गया। इस तेज परिवहन व्यवस्था ने ट्रांसप्लांट की महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए समय पर अंग उपलब्ध कराने में मदद की।

हॉस्पिटल, नोएडा के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने की। ट्रांसप्लांट की सफलता के लिए सबसे अहम था डोनर हार्ट को पंचकुला से नोएडा तक सुरक्षित और कम

हॉस्पिटल, नोएडा के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने की। ट्रांसप्लांट की सफलता के लिए सबसे अहम था डोनर हार्ट को पंचकुला से नोएडा तक सुरक्षित और कम

से कम समय में पहुंचाना। इसके लिए कई सरकारी और प्रशासनिक एजेंसियों ने मिलकर काम किया।

डोनर हार्ट अस्पताल पहुंचते ही मेडिकल टीम ने बिना देरी के आगे की प्रक्रिया शुरू की। मरीज को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया और लगभग एक घंटे में हृदय प्रत्यारोपण पूरा कर लिया गया। सर्जरी के बाद उन्हें विशेषीकृत इंटेंसिव केयर यूनिट में रखा गया, जहां विशेषज्ञों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी करती रही। इस दौरान मरीज को आवश्यक चिकित्सा सहायता और देखभाल प्रदान की गई।

यह उपलब्धि केवल एक जटिल सर्जरी की सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि अंगदान, समयबद्ध परिवहन और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के महत्व की भी दशार्ती है। फोर्टिस नोएडा में किया गया यह प्रत्यारोपण गंभीर हृदय रोग से पीड़ित मरीजों के लिए उन्नत चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ देखभाल की अहमियत को सामने लाता है।

बिल्हौर के खरेचा में डेंगू मिलने पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

वेब वार्ता, कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कानपुर नगर के निर्देश पर शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम ने ब्लॉक बिल्हौर के ग्राम खरेचा का दौरा किया। गाँव में डेंगू का मामला सामने आने के बाद नोडल अधिकारी (वी०बी०डी०) डॉ० राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह और एल०टी० गणेश शंखवार ने जनपदीय टीम के साथ मौके पर पहुँचकर स्थिति का भौतिक निरीक्षण किया।

डीएम और एसपी की अध्यक्षता में तहसील पयागपुर में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस



वेब वार्ता, बहराइच। जनपद की समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिलाधिकारी बहराइच राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा तहसील पयागपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया। प्राप्त जनशिकायतों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मौके पर जाकर शिकायतों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाय तथा नियमानुसार एवं समयबद्ध ढंग से उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, निस्तारित प्रार्थना-पत्रों की आख्या निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। गंभीर एवं जटिल प्रकृति की कुछ शिकायतों के प्रभावी निस्तारण हेतु अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजा गया, जिससे स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान क्षेत्राधिकारी पयागपुर कनिष्क आर. जामकर (सहायक पुलिस अधीक्षक), उपजिलाधिकारी पयागपुर, मुख्य चिकित्साधिकारी, राजस्व विभाग सहित पुलिस व अन्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक लाख की अवैध शराब के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

वेब वार्ता, कानपुर। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी0 द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के क्रम में रेल में हो रही चोरी की घटनाओं की रोकथाम, अवैध शराब, मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष चेंकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह व पोस्ट प्रभारी आरपीएफ कानपुर सेन्ट्रल सिध्दनाथ पाटीदार के कुशल नेतृत्व में दोपहर 01.20 बजे रेलवे स्टेशन कानपुर सेन्ट्रल हैरिशर्माज

पुल से आगे सी.पी.सी. वॉशिंग लाईन की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर बने पावर हाऊस के पास से चेंकिंग के दौरान एक अभियुक्त दीपक कुमार पत्र फूलो साह निवासी निकसपुर पोस्ट अकहा ब्रिशनपुर थाना उजियापुर जिला समस्तीपुर बिहार को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से एक बैग में कुल 25 बॉतल अंग्रेजी शराब समेत 18 लीटर 750 मि0ली0 गैर ग्रान्त अंग्रेजी अवैध शराब बरामद हुई। जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रू0 से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त अवैध अंग्रेजी शराब हरियाणा से लाकर बिहार जाने के लिए ट्रेन का इंजान कर रहा था। अभियुक्त से अन्य सदस्यों की जानकारी व अन्य जनपदों तथा प्रान्तों से आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

वर्तमान वैश्विक परिवेश में गांधी और शास्त्री के विचार सर्वाधिक प्रासंगिक: डॉ. विष्णु प्रताप चौबे

भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

कार्यक्रम में हिंदी के प्रवक्ता सुनील कुमार पांडेय ने अपने ओजस्वी काव्य पाठ के माध्यम से दोनों युगपुरुषों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने भारत पाक युद्ध के समय देश में हरित क्रांति के लिए सार्थक कदम उठाए जिसके कारण देश आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दैनिक भास्कर के पत्रकार अनिल राय ने इस अवसर पर छत्र छात्राओं को समाज सेवा के माध्यम से, स्वच्छता अभियान के माध्यम से गांधी जी के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। समारोह का संचालन विज्ञान शिक्षक कृष्ण कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

पूरे विश्व के लिए शांति का बहुत बड़ा प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। वहीं, सादगी के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री जी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पूर्व जनसंघ विधायक अशफाक से की मुलाकात,जताया शोक

वेब वार्ता, कमर खान



सदस्यों और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों में शामिल रहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रिय लोगों में भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 1977 में अशफाक खॉं ने

बलरामपुर सदर विधानसभा सीट से जनसंघ प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और शानदार विजय प्राप्त की। क्षेत्र के सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कुशीनगर में सड़क हादसे में एक युवक की हुई मौत

वेब वार्ता, कुशीनगर। कुशीनगर जिले के कसया-पडरौना राष्ट्रीय राजमार्ग पर बहोरामपुर के पास शुक्रवार देर रात खड़े ट्रक में बाइक पीछे से टकराने से एक युवक की मौत हो गई। और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को लोगों ने मेडिकल कॉलेज कुशीनगर पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने करन उर्फ मन्ने गोड़ (20) को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में निरंजन गोड़ (24) को प्राथमिक उपचार के समीप पहुंचते ही उनकी बाइक अंधेरे में सड़क किनारे खड़े ट्रक में घुस गई। घुसी बाईक इतनी तेज थी कि करन और निरंजन बुरी तरह घायल हो गये। सड़क हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस और एंबुलेंस की मदद से दोनों को मेडिकल कॉलेज कुशीनगर पहुंचाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने करन को मृत घोषित कर दिया। निरंजन की हालत गंभीर होने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहाँ पर निरंजन मौत से जुझ रहा है। इस संबंध में रविंद्रनगर थाने के एसओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महत्वपूर्ण ख़बर

फ्लाईदुबई हमले का खुलासा: को-पायलट के पास मिला था जिहादी सामान

- दुबई। दुबई से इजरायल के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाईदुबई की फ्लाइट संख्या एफजेड1073 में पायलट रिमत मछार पर हमला करने वाले ओमानी को-पायलट को लेकर चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी को-पायलट पहले भी विवादों में रह चुका था और उसके पास से कट्टरपंथी एवं जिहादी सामग्री बरामद हुई थी। यह घटना बुधवार को हुई थी, जब को-पायलट ने कोंकपिट में पायलट रिमत मछार पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। जांच में सामने आया है कि 2024 में, जब वह ओमान एयर में ट्रेनी को-पायलट के रूप में कार्यरत था, तब उसके पास से कट्टरपंथी और जिहादी गतिविधियों से संबंधित कई कागजात मिले थे।

रूस के कामचटका प्रायद्वीप में ज्वालामुखी फटा, करीब 500 साल से था निष्क्रिय

- मास्को।रूस के कामचटका प्रायद्वीप में करीब पांच सदियों से शांत पड़े क्राशिनिनिकोव ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ। जुलाई 2025 में कामचटका के पास समुद्र के भीतर आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कुछ दिनों बाद इस ज्वालामुखी में गतिविधियां शुरू हुई थी। अब नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के संयुक्त उपग्रह निसार नेअंतरिक्ष सेइस ज्वालामुखी के विस्फोट और लावे के फैलाव की तस्वीरें कैद की हैं। इन तस्वीरों को मिलाकर वैज्ञानिकों ने एक दुर्लभ टाइम-लैप्स वीडियो तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक क्राशिनिनिकोव ज्वालामुखी करीब 500 सालों से निष्क्रिय था। उपग्रह्य वैज्ञानिक रिपोर्टों के मुताबिक इसका पिछला विस्फोट करीब 1550 ईस्वी के आसपास हुआ था।

6 साल की बच्ची की टॉयलेट ज़िद ने बचाई 180 की जान

फ्लाईदुबई हमले के हो रहे खुलासे

दुबई। फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड 1073 में कॉकपिट के भीतर ओमानी को-पायलट के खौफनाक हमले और विमान को क़ैश करने की साजिश के मामले में कई बेहद हैरान कर देने वाले और साहसिक खुलासे हुए हैं। हवा में 30,000 फीट की ऊंचाई पर एक 6 साल की बच्ची की छोटी सी ज़िद ने पूरे विमान को एक भीषण तबाही से बचा लिया। इस बीच, चाकूबाजी में गंभीर रूप से घायल हुए विमान के भारतीय पायलट केप्टन स्मित मछार की जान बचाने और हमलावर आतंकी को दबोचने वाले इजरायली नागरिकों को राष्ट्रपति पदक दिए जाने का ऐलान किया गया है। ताली मानेस ने उस खौफनाक मंज़र को याद करते हुए बताया कि उनकी 6



साल की बेटी नीना मानेस ने अचानक टॉयलेट जाने की ज़िद की। जैसे ही ताली अपनी बेटी को लेकर कॉकपिट के पास बने टॉयलेट की ओर बढ़ीं, उसी वक्त कॉकपिट का दरवाजा थोड़ा सा खुला और अंदर ओमानी को-पायलट ने भारतीय केप्टन स्मित मछार पर चाकू से दनादन वार करने शुरू कर

दिए। ताली ने कॉकपिट के भीतर खून से लथपथ केप्टन को देखा और चीखना शुरू कर दिया, वह पायलट को गोद रहा है! वह पायलट को चाकू मार रहा है! बचाओ! चीख-पुकार और विमान के अचानक नीचे गिरने के बीच ताली के पति ज्विका मानेस और अन्य यात्री

कॉकपिट की तरफ भागे। ज्विका ने बताया कि उनकी बेटियों को चीखें आज भी उनके कानों में गूँज रही हैं जब विमान तेजी से नीचे गिर रहा था और वे कह रही थीं पापा, हम मरना नहीं चाहते। इसी ने उन्हें कॉकपिट के भीतर कूदने पर मजबूर किया। हमले में गंभीर रूप से घायल और फर्श पर पड़े भारतीय केप्टन स्मित मछार ने अदम्य साहस का परिचय दिया। चाकू के वार से लहलुहान होने के बावजूद उन्होंने किसी तरह कॉकपिट डोर का इमरजेंसी रिलीज लॉक दबा दिया, जिससे बाहर मौजूद यात्री और क्रू मेंबर्स अंदर दाखिल हो सके। विमान में सफर कर रहे प्लंबर यानिव हयून ने हमलावर ओमानी पायलट को गर्दन से दबोचकर चोकहोल्ड में ले लिया,

जबकि एक डेंटिस्ट यात्री ने कैप्टन स्मित मछार का बहता खून रोककर उनकी जान बचाई। इस अफरा-तफरी के दौरान चेहरे पर खून से सने एक यात्री का वीडियो भी सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर मदद मांगते हुए कहा, हम हाईजैक के बीच में हैं, हमने आतंकियों को काबू कर लिया है और लैंडिंग के करीब हैं। जो भी सुन रहा है, मदद भेजो! इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हज़ोंग ने अदम्य साहस दिखाने वाले नागरिकों- यानिव हयून, ज्विका मानेस और असाफ राजुआन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड फॉर सिविलियन हिरोइज्म से सम्मानित करने की सिफारिश की है।

दीपावली-छठ पर 44 से अधिक स्पेशल ट्रेनें दौड़ेंगी

यूपी, बिहार-पंजाब-दिल्ली के लिए होगी सुविधा

नई दिल्ली। देशभर में दीपावली और छठ पूजा जैसे बड़े त्योहारों का आगमन हो रहा है, और इसके साथ ही अपने घरों को लौटने वाले यात्रियों की भीड़ ने रेलवे और हवाई अड्डों पर दबाव बढ़ा दिया है। लाखों की संख्या में लोग देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर महानगरों से अपने पेटुक स्थानों की ओर प्रस्थान करते हैं। इस भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष फेस्टिवल ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश, जो देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में से एक है और जहां से बड़ी संख्या में लोग काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं, इस मामले में एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। दीपावली और छठ पूजा के दौरान यूपी से 44 से अधिक विशेष ट्रेनें होकर गुजरेंगी, जो बिहार, पंजाब, दिल्ली और जम्मू जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

ये विशेष ट्रेनें पूरे अक्टूबर और नवंबर तक यात्रियों को सेवाएं प्रदान करेंगी। मौजूदा स्थिति यह है कि कुंभ, अमृतसर-हावड़ा, जनता, श्रमजीवी, काशीविश्वनाथ, गरीब गुरु, गरीब नवाज, लखनऊ-चंडीगढ़ जैसी लंबी दूरी की नियमित ट्रेनों में अभी से ही टिकटों की भारी मारामारी है। 10 अक्टूबर के बाद इन ट्रेनों में नो रूम और रिगेट जैसी स्थिति दिखाई देने लगी है, जिससे स्पष्ट होता है कि सामान्य



सेवाएं प्रदान करेंगी। मौजूदा स्थिति यह है कि कुंभ, अमृतसर-हावड़ा, जनता, श्रमजीवी, काशीविश्वनाथ, गरीब गुरु, गरीब नवाज, लखनऊ-चंडीगढ़ जैसी लंबी दूरी की नियमित ट्रेनों में अभी से ही टिकटों की भारी मारामारी है। 10 अक्टूबर के बाद इन ट्रेनों में नो रूम और रिगेट जैसी स्थिति दिखाई देने लगी है, जिससे स्पष्ट होता है कि सामान्य

सेवाएं मांग को पूरा करने में अक्षम हैं। ऐसे में ये फेस्टिवल ट्रेनें भीषण भीड़ के नियंत्रण में एक बड़ी मददगार साबित होंगी। यूपी के बरेली जैसे महत्वपूर्ण जंक्शन से होकर अप-डाउन की 44 से अधिक स्पेशल ट्रेनें गुजरेंगी, जिनसे लोगों को त्योहार पर अपने घर जाना-आना आसान हो जाएगा। रेलवे का यह कदम हर साल होने वाली भीड़भाड़ को देखते हुए एक राहत भरी पहल है। केवल रेल ही नहीं, हवाई यात्रा का हाल भी कुछ ऐसा ही है। दीपावली, छठ पूजा और दशहरा पर छुट्टियों के कारण दिल्ली, बंगलुरु, नयी मुंबई और जेवर जैसे शहरों से टिकटों की बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। औसतन इन शहरों से यूपी के बरेली जैसे स्थानों का हवाई टिकट सात से आठ हजार रुपये के बीच रहता है, लेकिन नवंबर के पहले सप्ताह में यह कीमत बढ़कर 12 से 16 हजार रुपये तक पहुंच जाती है यानी दोगुना महंगा।

कॉकपिट में दो क्रू मेंबर्स की मौजूदगी जरूरी : हादसों से सीखे विमानन सुरक्षा के सबक

नई दिल्ली।फ्लाईदुबई की एक उड़ान में भारतीय पायलट रिमत मछार और ओमान के सह-पायलट के बीच कॉकपिट में हुई कथित हाथापाई के बाद विमानन सुरक्षा से जुड़े नियमों पर चर्चा तेज हो गई है। इस घटना में पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। विमानन क्षेत्र में कॉकपिट सुरक्षा को लेकर लंबे समय से एक अहम व्यवस्था लागू है, जिसके तहत उड़ान के दौरान कॉकपिट में कम से कम दो क्रू सदस्यों की मौजूदगी सुनिश्चित की जाती है। ह्यूटू-पर्सन कॉकपिट रूलबूक के तहत यदि मुख्य पायलट या सह-पायलट

किसी कारण से कॉकपिट से बाहर जाता है, तो उसकी जगह एक केबिन क्रू सदस्य को अंदर मौजूद रहना होता है। इसका उद्देश्य कॉकपिट में अकेले रह गए पायलट की स्थिति में किसी आपात स्थिति से निपटना और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना है।

इस व्यवस्था के पीछे कई सुरक्षा कारण हैं। यदि अकेले पायलट की तबीयत अचानक खराब हो जाए या वह बेहोश हो जाए, तो कॉकपिट में मौजूद दूसरा व्यक्ति आपात संदेश भेजने और जरूरी कार्रवाई करने में सक्षम हो सकता है। इसके



अलावा, आधुनिक विमानों के कॉकपिट दरवाजे सुरक्षा कारणों से बेहद मजबूत और अंदर से लॉक होने वाले होते हैं। ऐसे में अंदर मौजूद अकेले व्यक्ति की स्थिति गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकती है। 2015 में जर्मनविंस की फ्लाइट 9525 दुर्घटना ने इस मुद्दे को खास तौर पर गंभीर बना दिया था। 24 मार्च 2015 को विमान के कप्तान के कॉकपिट से बाहर जाने के बाद सह-पायलट ने दरवाजा अंदर से लॉक कर लिया और विमान को फ्रांस के आल्प्स क्षेत्र में पहाड़ से टकरा दिया। हादसे में विमान में सवार सभी 150 लोगों

की मौत हो गई थी। इसके बाद कॉकपिट में दो लोगों की मौजूदगी को लेकर विमानन सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा तेज हुई। इससे पहले 2013 में मोजाम्बिक एयरलाइंस की फ्लाइट 470 भी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। जांच के अनुसार, सह-पायलट के कॉकपिट से बाहर जाने के बाद कप्तान ने दरवाजा अंदर से लॉक कर लिया था। विमान नामीबिया में दुर्घटनाग्रस्त हुआ और उसमें सवार सभी 33 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा सिल्व एयर फ्लाइट 185 और इजिप्ट एयर फ्लाइट 990 जैसी

दुर्घटनाओं ने भी कॉकपिट में एक पायलट के अकेले होने से जुड़े जोखिमों पर सवाल उठाए। इन घटनाओं के बाद पायलटों की मानसिक स्वास्थ्य जांच और कॉकपिट सुरक्षा प्रक्रियाओं पर ज्यादा जोर दिया गया। भारत में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भी कॉकपिट सुरक्षा को लेकर निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन पर जोर दिया है। इसका उद्देश्य किसी तकनीकी खराबी, अचानक स्वास्थ्य संकट या मानवीय चूक की स्थिति में जोखिम को कम करना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पुलिस जहां रोकेगी वहीं धरना शुरू कर देगी सीजेपी

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी का नया दांव



कॉकरोच 10 अक्टूबर को दिल्ली आएंगे और जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने जोर दिया कि यह आंदोलन महात्मा गांधी

के सिद्धांतों पर आधारित होगा और सरकार तथा दिल्ली पुलिस पर निर्भर करेगा कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करें या

पिछली घटनाओं की तरह बर्बरता दोहराएं।

सीजेपी इस बात से अवगत है कि नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए

आंदोलन के बाद से पुलिस जंतर-मंतर पर किसी भी तरह के धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं दे रही है। हाल ही में मुस्लिम संगठनों और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों को भी हिरासत में लिया गया था।

इसी को ध्यान में रखते हुए, दीपके ने कहा, यदि दिल्ली पुलिस ने हमें रोकने की कोशिश की, तो वे हमें जहां रोकेंगे, वही हमारा जंतर-मंतर बन जाएगा। सीजेपी के सह संयोजक सौरभ दास ने इस अवधारणा को विस्तार से समझाया, उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर असहमति का प्रतीक है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इसे इस तरह बंद कर दिया है जैसे वहां कोई बड़ा खजाना छिपा हो। दास के अनुसार,

आज जंतर-मंतर उम्मीद, साहस, लोगों के टूटे हुए सपने और जीत का प्रतीक है। इसलिए, जहां भी लोग जुटेंगे और उन्हें रोका जाएगा, वही स्थान जंतर-मंतर कहलाएगा। जिस भी स्थान पर लोग जवाबदेही मांगेंगे, वह जंतर-मंतर कहलाएगा। आशुतोष रांका ने इस आंदोलन को देश के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि एक समझौता कर चुका चुनाव आयोग लोकतंत्र को नष्ट करने की ओर है। उन्होंने लाखों भारतीयों के लिए न्याय की मांग की, जिन्हें ज्ञानेश कुमार ने वोटर लिस्ट से हटा दिया है। सीजेपी का लक्ष्य है कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में शांतिपूर्वक एकत्रित होकर लोकतंत्र को वापस पाया जाए।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना-हीरा तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना और हीरा तस्करी के एक कथित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने भंडाफोड़ किया है। जांच एजेंसी ने कार्रवाई के दौरान एयरपोर्ट के भीतर काम करने वाले एक कर्मचारी समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 12.64 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और 1.10 करोड़ रुपये के हीरे बरामद किए गए हैं। डीआरआई के अनुसार, तस्करी के लिए एक सुनियोजित हैंड-ऑफ सिस्टम का कथित तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले कुछ यात्री अपने सामान में छिपाकर सोना लेकर आते थे और उसे एयरपोर्ट के ट्रांजिट क्षेत्र में कथित तौर पर अंदरूनी व्यक्ति को सौंपते थे। इसी तरह हीरों की कथित डिलीवरी यात्रियों और एयरपोर्ट गार्ड स्टैफ के बीच प्रस्थान गेट के आसपास की जाती थी।

कर्मचारी पर थी डीआरआई की नजर

जांच एजेंसी को इस कथित नेटवर्क के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद डीआरआई की निगरानी एक एयरपोर्ट स्टोर में काम करने वाले 27 वर्षीय साकिब अंसारी पर केंद्रित हुई। एजेंसी को जानकारी मिली थी कि अंसारी को मुंबई से दुबई जाने वाले यात्री 24



पांच और यात्रियों के आने की जानकारी

डीआरआई का दावा है कि पूछताछ के दौरान अंसारी ने बताया कि ये कैप्सूल उसे एक ट्रांजिट यात्री ने सौंपे थे और ऐसे ही अन्य कैप्सूल लेकर पांच और यात्री उसके पास आने वाले थे। इसके बाद जांच एजेंसी ने एयरपोर्ट परिसर में निगरानी बढ़ा दी। एजेंसी के अनुसार, इसके बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आए यात्री कथित तौर पर एक-एक करके अंसारी के संपर्क में पहुंचे और सोने से भरे अंडाकार कैप्सूल उसे सौंपने का प्रयास किया। कार्रवाई के दौरान यात्रियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहदत हुसैन, मुबारक हुसैन, मोहम्मद जुआल, मोहम्मद उद्दीन, मोहम्मद अबुबकर और मोहम्मद हसन के रूप में हुई है। डीआरआई के अनुसार, इनमें बांग्लादेश और श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं। इनके अलावा साकिब अंसारी और मोहम्मद बल्ली को भी गिरफ्तार किया गया। डीआरआई ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें अदालत के समक्ष पेश किया। अदालत ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच एजेंसी अब तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और इसके संचालन के तरीके की भी जांच कर रही है।

वर्षीय मोहम्मद बल्ली से हीरे लेने थे। डीआरआई अधिकारियों ने दोनों को एयरपोर्ट के एक प्रस्थान गेट के पास स्थित वॉशरूम के नजदीक कथित तौर पर रोक लिया। तलाशी के दौरान

अंसारी के पास से अंडे के आकार के तीन कैप्सूल बरामद किए गए। जांच एजेंसी के मुताबिक, इन कैप्सूलों में मोम के रूप में छिपाकर सोने का पेस्ट/इस्तरा रखा गया था।

नांदेड समेत कई इलाकों में भूकंप के झटके

हिंगोली के पांगरा शिंदे में रहा केंद्र



नांदेड। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। सुबह करीब 9 बजकर 43 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 बताई गई है। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के पांगरा शिंदे क्षेत्र में बताया जा रहा है। भूकंप के झटके नांदेड के अलावा हिंगोली, परभणी और लातूर जिलों में भी महसूस किए गए। बताया गया है कि भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले में पांगरा शिंदे के पास गढाका गांव के शिवार क्षेत्र में जमीन के करीब 7 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके महसूस होते ही कई इलाकों में लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। अचानक आए झटकों से कुछ समय के लिए लोगों में डर का माहौल बन गया।

महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों के अलावा भूकंप के झटके कर्नाटक के बीदर और तेलंगाना के कुछ जिलों में भी महसूस किए जाने की जानकारी सामने आई है। भूकंप की तीव्रता को देखते हुए प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हिंगोली जिले में पिछले कुछ समय से लगातार भूकंप के हल्के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इससे स्थानीय नागरिकों में चिंता बनी हुई है। इससे पहले जुलाई में भी क्षेत्र में भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया था। फिनालह भूकंप के कारण किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है।

खमतराई में महिला की हत्या : 2 साल बाद खुला राज, तीन आरोपी गिरफ्तार

⇒महिला के नाखूनों में मिले स्कीन के DNA से हत्यारों तक पहुंची पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर में करीब दो साल पहले हुई महिला की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रायपुर नॉर्थ जोन पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतिका के नाखूनों में मिले Biological Traces की DNA प्रोफाइलिंग कराई गई थी। बाद में संदिग्धों के DNA सैंपल का सुरक्षित DNAप्रोफाइल से वैज्ञानिक मिलान कराया गया, जिसमें तीनों आरोपियों का DNA मैच होना सामने आया। इस मामले का खुलासा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले और कश्यप ने किया।

यह पूरा मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है, जहां 21 अगस्त 2024 को लता साहू (40) की हत्या हुई थी। उस समय आरोपी अज्ञात थे। पुलिस ने घटना की विवेचना के दौरान मृतिका के हाथों के नाखूनों से मिले Biological Traces को सुरक्षित कराया और उसका DNA प्रोफाइल तैयार कराया था। मिलान से आरोपियों तक पहुंची पुलिस वर्ष 2026 में मामले की विवेचना के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने के बाद उनके सैंपल लिए गए। पुलिस के अनुसार, पूर्व में सुरक्षितप्रोफाइल से वैज्ञानिक मिलान करने पर तीनों आरोपियों का मृतिका के नाखूनों से प्राप्त से मैच होना सामने आया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की। इस दौरान शुरुआत में आरोपियों ने घटना के संबंध में अलग-अलग बातें बताईं, लेकिन वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर लगातार पूछताछ के बाद



घटना से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। शराब को लेकर विवाद, आपसी संघर्ष के बाद हुई हत्या: आरोपियों के कथन के अनुसार,

झुमाझटकी होने लगी। इसी दौरान राजू मंडल ने लता साहू का गला दबाया, जबकि मनहरण सारंग ने उसके दोनों हाथ और राजेश पाल उर्फ चोटी ने दोनों पैर पकड़ रखे थे। संघर्ष के दौरान लता साहू ने बचने के लिए आरोपियों को नोचने का प्रयास किया, जिसके चलते उसके नाखूनों में आरोपियों के Biological Traces आने की बात सामने आई। बाद में इनका DNA प्रोफाइलिंग कराया गया। कुछ समय बाद लता साहू की छटपटाहट बंद हो गई। इसके बाद तीनों आरोपी घर में रखी नगदी, साड़ी और बाजारू पायल लेकर पीछे की दीवार से निकलकर फरार हो गए। नगदी आपस में बांट ली गई, जबकि साड़ी और पायल मनहरण सारंग के पास रखे जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस द्वारा आरोपियों के बताए अनुसार घटना से संबंधित वस्तुओं एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के संबंध में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी: पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है—मनहरण सारंग, पिता ईतवारी सारंग (33 वर्ष) निवासी प्रेमनगर, रावांभाटा। राजेश पाल उर्फ चोटी उर्फ राजू, पिता गोविन्द पाल (31 वर्ष) निवासी हीरालाल बाई, नवागांव, जिला मुंगेली। राजू मंडल उर्फ बंगाली, पिता विजय मंडल (35 वर्ष) वर्तमान निवासी रावणभाटा, रायपुर। आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड: पुलिस के अनुसार, राजू मंडल उर्फ बंगाली के खिलाफ पहले से दो चोरी और एक हत्या के अपराध दर्ज हैं। वर्तमान हत्या का मामला उसके खिलाफ दर्ज चौथा अपराध है। वहीं, मनहरण सारंग के खिलाफ मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने और अवैध वसूली का अपराध दर्ज होने की जानकारी पुलिस रिकॉर्ड में सामने आई है।

ताजा खबर संक्षिप्त



आयुक्त ने टेक्निकल टावर, वीमेन हॉस्टल के निर्माण की प्रगति देखी

रायपुर। निगम आयुक्त संवित मिश्रा ने शुक्रवार को राजधानी में निर्माणाधीन कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और वीमेन हॉस्टल के कार्यों का निरीक्षण किया। मिश्रा ने पहले तेलीबाँधा में 39 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन टेक्निकल टावर को देखा। इसके बाद पंडरी में 14 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन वीमेन हॉस्टल और नरेच्या तालाब के समीप 14 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन वीमेन हॉस्टल के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए की गुणवत्तायुक्त तरीके से पूर्ण करवाने के निर्देश दिए।



रायपुर ग्रामीण में चार पुलिस अधिकारियों के तबादले

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस में 4 अधिकारियों की पदस्थापना में बदलाव किया गया है। पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने 30 सितंबर को इसका आदेश जारी किया। इसमें दो निरीक्षक और दो उप निरीक्षक शामिल हैं। तीन थातों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के आदेश के मुताबिक सभी पदस्थापनाएं प्रशासनिक दृष्टिकोण से तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू रहेंगी। खरोरा और माना में बदले थाना प्रभारी : आदेश के अनुसार राखी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रेमप्रकाश अवस्थिया को अब खरोरा थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं खरोरा थाना प्रभारी निरीक्षक विद्याभूषण भारद्वाज को माना थाने की जिम्मेदारी दी गई है। माना थाने में पदस्थ उप निरीक्षक जितेंद्र इंदरिया को पुलिस लाइन, रायपुर ग्रामीण भेजा गया है। वहीं पुलिस लाइन में पदस्थ उप निरीक्षक दीपक कुमार साहू को राखी थाने में पदस्थ किया गया है।

फेसबुक पर तीन महीने पहले बने फ्रेंड ने लगाया चूना

क्रिप्टो करेंसी से डबल मुनाफे का झांसा डॉक्टर से 25.66 लाख की धोखाधड़ी

रायपुर। तीन महीने पहले फेसबुक पर हुई जानपहचान के बाद राजधानी के एक चिकित्सा अधिकारी से उसके फ्रेंड ने क्रिप्टो करेंसी और यूएसडीटी ट्रेडिंग में निवेश से मुनाफा का झांसा देकर 25 लाख 66 हजार 900 रुपए ठग लिए। आजाद चौक थाना पुलिस ने रेशमी गुप्ता और सुरेश चौहान के खिलाफ धारा 318(4), 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आजाद चौक पुलिस के मुताबिक समता कॉलोनी निवासी राकेश कुमार मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग में चिकित्सा अधिकारी के पद पर हैं। वर्तमान में भिलाई में किराये के मकान में रह रहे हैं। अगस्त 2026 को उनके फेसबुक के माध्यम से रेशमी गुप्ता से संपर्क हुआ था। इस दौरान उसने क्रिप्टो करेंसी में निवेश पर अच्छा मुनाफा कमाने की जानकारी दी। इसके बाद उसने अपने सीनियर सुरेश चौहान से बात कराई। सहमति देने पर आरोपी सुरेश चौहान ने उसे एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर आईडी बनवाई। इस दौरान डॉक्टर मुकेश मिश्रा ने शुरुआत में कुछ रकम लगाई। जिसका कुछ दिनों बाद ट्रेडिंग से मुनाफा होने बताया गया। इसके बाद मुनाफा दिखा कर यूएसडीटी को भारतीय मुद्रा में बदल रकम देने भरोसा दिलाया गया। जिसके बाद डॉक्टर मुकेश ने झंसे में आकर उसके मांगी गई रकम अलग-अलग खातों और यूपीआई माध्यमों से

भेज दिया। 22 सितंबर 2026 को जब उसने रकम निकालने का प्रयास किया तो रूपए नहीं निकले। जिसके बाद आरोपियों ने वेरिफिकेशन चैनल फॉस के नाम पर और पैसों की मांग की।



जिसे आरबीआई की गाइडलाइन बताया और दस्तावेजों की मांग की गई। इस पर डॉक्टर मुकेश को शक होने पर इसकी जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि दिए गए आईडी और साइट फर्जी हैं। इस बीच उन्होंने अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई लेनदेन से 25.66 लाख रूपए आरोपियों को दिए थे। धोखाधड़ी होने पर डॉक्टर मुकेश ने इसकी शिकायत साइबर हेल्पलाइन नम्बर और थाना जाकर लिखित में शिकायत दर्ज कराई है। आजाद चौक पुलिस ने रेशमी गुप्ता और उसके साथी सुरेश चौहान के खिलाफ 3-5, 318-4 का अपराध दर्ज किया है। मामले में बैंक खातों, यूपीआई लेनदेन, ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

रोजबे ग्रीन सोसाइटी के पास चाकू लेकर घूम रहा आरोपी पकड़ाया

रायपुर। रायपुर के विधानसभा इलाके में पुलिस की पेट्रोलिंग टीम को नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। वह रोजबे ग्रीन सोसाइटी के पास घूम रहा था। पुलिस ने उससे पूछताछ की कोशिश की तो वह अचानक भागने लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर युवक के पास से धारदार चाकू मिला। पुलिस ने चाकू रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, विधानसभा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रोजबे ग्रीन सोसायटी के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से धारदार चाकू लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश और थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर



पहुंची। पुलिस ने बताए गए हुलिए के आधार पर युवक की पहचान की। टीम ने उससे बातचीत करने

की कोशिश की, लेकिन पुलिस को देखते ही वह भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर घेराबंदी की और उसे पकड़ लिया। पकड़े गए युवक ने अपना नाम ईश्वर उर्फ ईशु निपाद (32) बताया। पुलिस के मुताबिक, तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। चाकू रखने के संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने चाकू जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। विधानसभा थाने में उसके खिलाफ धारा 25 आर्मस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी ईश्वर उर्फ ईशु निपाद मूल रूप से ग्राम अछोली, थाना तुमगांव, जिला महासमुंद का रहने वाला है। वर्तमान में वह काला मैदान, गोगांव, थाना गुड्डियारी, रायपुर में रह रहा था।

मेटडोर से 7 ड्रम अवैध डीजल बरामद भनपुरी में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रायपुर

भनपुरी से खमतराई की ओर आ रहे एक मेटाडोर से पुलिस ने अवैध परिवहन किए जा रहे डीजल को जब्त किया है। पुलिस ने एक मेटाडोर से 7 ड्रमों में 1400 लीटर डीजल बरामद किया। मामले में वाहन चालक को गिरफ्तार कर आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3, 7 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है। गुरुवार को खमतराई पुलिस की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि पाटीदार भवन के पास भनपुरी की ओर से एक मेटाडोर में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ डीजल भरकर खमतराई की ओर लाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने आने जाने वाहनों की चेकिंग शुरू की। मुखबिर के बताए गए नंबर के आधार पर गाड़ी रूकवाकर तलाशी ली गई। तलाशी लेने पर उसके



पीछे के डाले में 7 बड़े लोहे के ड्रम मिले। प्रत्येक ड्रम में 200 लीटर डीजल भरा था। इस तरह करीब 1400 लीटर डीजल, जिसकी कीमत 1.40 लाख रुपए बताई गई है, बरामद किया गया। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम विजेन्द्र सिंह यादव 50, निवासी पटना, बिहार जो वर्तमान में ग्राम बेमता, थाना तिल्ला, रायपुर में रहता है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि डीजल शुभम गुप्ता निवासी बेमता का है और उसके कहने पर ड्रमों में डीजल लोड कर खमतराई की ओर ले जाया जा रहा

मंदिर की जमीन की बिक्री अवैध घोषित नामांतरण निरस्त, एफआईआर के निर्देश

रायपुर

पुरानी बस्ती स्थित श्री बिरंचीनारायण मंदिर एवं नरसिंहनाथ मंदिर के जमीन के विक्रय से पुलिस ने अवैध घोषित किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। बतया गया कि आवेदक पंकज विश्वकर्मा ने प्राचीन बिरंचीनारायण मंदिर एवं नरसिंहनाथ मंदिर के स्वामित्व की धरमपुरा में 0.158 हेक्टेयर जमीन की अवैध खरीदी-बिक्री पर सीएम विष्णुदेव साय से शिकायत की थी। सीएम ने रायपुर कलेक्टर को जांच के लिए लिखा था। यह बताया गया कि मंदिर सार्वजनिक न्यास के स्वामित्व की जमीन को ट्रस्टी अजय तिवारी के साथ मिलकर कलेक्टर, और पंजीयक सार्वजनिक न्यास की अनुमति के बिना बिक्री की गई। इस पूरे मामले एसडीएम कोर्ट ने प्रकरण दर्ज कर आदेश पारित किए। एसडीएम कोर्ट ने 29 सितंबर 2026 को जारी आदेश में ग्राम धरमपुरा स्थित खसरा नंबर 293/7, रकबा 0.158 हेक्टेयर की

जमीन के विक्रय को विधि विरुद्ध माना गया है। कोर्ट ने जमीन के नामांतरण को निरस्त कर ट्रस्ट के नाम पर राजस्व अभिलेख दुरुस्त करने, विक्रय विलेख को शून्य कराने के लिए सक्षम सिविल न्यायालय में कार्रवाई करने और संबंधित थाना प्रभारी को दोषियों के विरुद्ध विधिस्ममत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। शिकायत में बताया गया कि ट्रस्ट की बैठक में जमीन को 21 लाख रुपए में सौरभ जैन और निखिल जैन के नाम से खरीदने का प्रस्ताव लिया गया था, लेकिन 1 दिसंबर 2022 को इसकी रजिस्ट्री घनश्याम दानी के नाम कराई गई। बाद में 24 अप्रैल 2024 को घनश्याम दानी ने जमीन दशमेश फार्म एंड विला के पार्टनर विवेक अग्रवाल को बेच दी। शिकायत में जमीन का बाजार मूल्य वर्ष 2022 में 2.50 करोड़ रुपए से अधिक होने का भी दावा किया गया था। मामले की जांच में अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया है। आदेश के अनुसार राजस्व अभिलेख में जमीन का नाम बिरंचीनारायण न्यासी सर्वकारा महंत देवदास वैष्णव द्वारा प्रबंधक कलेक्टर, रायपुर के नाम दर्ज किए जाने के निर्देश थे।

मवेशी तस्करी का बड़ा मामला, चालक फरार वाहन में टूस-टूसकर भरी थीं भैंसों, 13 की मौत

आरंग। रायपुर जिले के मंदिर हसीद थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-53 से लगे उमरिया धान खरीदी केंद्र के पास खड़े एक संदिग्ध मालवाहक वाहन से पुलिस ने 15 भैंसों बरामद की हैं। वाहन में क्षमता से अधिक मवेशियों को टूस-टूसकर भरा गया था। दम घुटने और भूख-प्यास के कारण 13 भैंसों की मौत हो गई, जबकि दो मवेशी जीवित मिले। वाहन चालक मौके से फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। लावारिस हालत में मिला वाहन, चालक फरार: जानकारी के अनुसार, मालवाहक वाहन (क्रमांक ख्क 07 ब्र 9910) काफी समय से उमरिया धान खरीदी केंद्र के पास



संदिग्ध स्थिति में खड़ा था। स्थानीय ग्रामीणों को संदेह होने पर उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मंदिर हसीद पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन की जांच की, तो अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। वाहन में बड़ी संख्या में भैंसों भरी हुई थीं। इनमें से 13 की मौत

की आशंका जताई जा रही है। पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि यह वाहन कहाँ से आया था, मवेशियों को कहाँ ले जाया जा रहा था और गाड़ी की धान खरीदी केंद्र के पास लावारिस क्यों छोड़ा गया। मामले में मंदिर हसीद थाना प्रभारी आशीष यादव ने बताया कि पशु चिकित्सा विभाग को सूचित कर दिया गया है। सभी मृत मवेशियों का नियमानुसार पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिससे मौत के सटीक कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सके। फरार चालक और वाहन मालिक की तलाश जारी है। नेशनल हाईवे-53 जैसे व्यस्त और मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से मवेशियों का इस प्रकार परिवहन

होना सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े करता है। इस घटना को लेकर स्थानीय नागरिकों और पशु प्रेमियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोग प्रशासन से सीधे सवाल पूछ रहे हैं कि हाईवे पर दिन-रात दौड़ने वाले संदिग्ध मालवाहक वाहनों की नियमित जांच क्यों नहीं होती? अंतरराज्यीय सीमाओं और मुख्य मार्गों पर बने चेकिंग पॉइंट्स से यह वाहन बिना जांच के कैसे गुजर गया? फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दावा किया है कि सीसीटीवी फुटेज व वाहन पंजीयन नंबर के आधार पर आरोपी चालक एवं तस्करी को जल्द गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

रेलवे स्टेशन में एआई आधारित मार्गदर्शक लगाने की तैयारी

रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा ए आई आधारित डिजिटल पैसेंजर नैविगेशन एवं वे-फाईंडिंग समाधान मार्गदर्शक की सुविधा जल्द ही मिलेगी इसे अभी प्रायोगिक तौर पर शुरू किए जाने की तैयारी है। रायपुर रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में देश के विभिन्न क्षेत्रों से यात्री आते-जाते हैं। स्टेशन का विस्तृत परिसर, अनेक प्लेटफॉर्म, प्रवेश एवं निकास द्वार तथा विभिन्न यात्री सुविधाओं के कारण कई बार यात्रियों को अपनी आवश्यक सुविधा तक पहुंचने की जानकारी नहीं होती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मार्गदर्शक को एक स्मार्ट डिजिटल मार्गदर्शन प्रणाली के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। एक क्लिक पर स्टेशन की जानकारी: मार्गदर्शक के माध्यम से यात्री स्टेशन परिसर का डिजिटल मैप देखकर अपने गंतव्य तक पहुंचने का मार्ग जान सकेंगे। प्रणाली में स्टेशन की विभिन्न सुविधाओं जैसे प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, लिफ्ट एवं एस्केलेटर, प्रवेश/निकास द्वार, पार्किंग/पिक-अप



क्षेत्र, टिकट एवं अन्य यात्री सुविधाएं, विद्यांगजन हेतु सुविधाएं, अन्य महत्वपूर्ण स्थान की जानकारी मिलेगी। स्टेशन परिसर में डिजिटल वे-फाईंडिंग: मार्गदर्शक का उद्देश्य यात्रियों को केवल किसी सुविधा का स्थान बताना ही नहीं, बल्कि उन्हें कहाँ जाना है और वहाँ कैसे पहुंचना है, इसकी सटीक एवं सहज जानकारी उपलब्ध कराना है। डिजिटल मैप और दिशा-सूचक मार्ग के माध्यम से यात्री स्टेशन परिसर में अधिक आसानी से आवागमन कर सकेंगे।

महत्वपूर्ण खबर

रोनाल्डो बोले, प्रशिक्षण शिविर छोड़ने के कारणों का खुलासा समय आने पर करेंगे

■ कोपेनेहेगन। पुर्तगाल फुटबॉल में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसी कारण टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोच जॉर्ज जेसस के साथ मतभेदों के कारण टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ दिया। सबसे अधिक हैरानी की बात ये रही कि रोनाल्डो ने ये कदम डेनमार्क के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से ठीक पहले उठाया जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं। इससे कोच जॉर्ज के साथ उनके मतभेदों की बात भी खुलकर सामने आ गयी है। वहीं इस स्टार खिलाड़ी के प्रशंसकों का कहना है कि वह शिविर छोड़ने की असली वजह सही समय आने पर बताएंगे।

ईसीबी ने त्रिकोणीय सीरीज के लिए घोषित की टीम, क्रेन की आठ साल बाद वापसी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 18 अक्टूबर से पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इंग्लैंड टीम की कप्तानी हैरी ब्रुक करेंगे।

इस सीरीज में टीम को दो प्रमुख खिलाड़ियों, विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि बटलर चोट के कारण बाहर हैं, जबकि आर्चर को लगातार व्यस्त कार्यक्रम

के बाद आराम दिया गया है। टीम में अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद और ऑलराउंडर सैम करन को शामिल किया गया है है। इसके अलावा वहीं ग्लेमार्गन के लेग स्पिन गेंदबाज मेसन क्रेन की भी करीब आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है।

टीम प्रबंधन ने बटलर को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान लगी जांच की मांसपेशियों में खिंचाव की चोट के चलते बाहर रखा है। वहीं आर्चर को उनके कार्यभार को देखते हुए आराम दिया गया है, जिससे वह भविष्य के महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि टीम के लिए राहत की बात है कि



अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद अपनी हाथ की चोट से पूरी तरह उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। इस चोट के कारण वह श्रीलंका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज

एक और मजबूत विकल्प उपलब्ध होगा।

इस टीम में सबसे हैरान की बात मेसन क्रेन को शामिल करना है। लेग स्पिनर क्रेन करीब आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 2016 में इंग्लैंड के लिए दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे और 2018 में सिडनी एशेज टेस्ट टीम का भी हिस्सा रहे थे, हालांकि उन्होंने अभी तक एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। उनकी वापसी टीम में एक नया आयाम जोड़ेगी। इसके अलावा युवा जेम्स कोल्स और हेनरी क्रोकोम्ब को भी टीम में बरकरार रखा गया है। इन दोनों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं

किया है। इंग्लैंड पुरुष टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने टीम चयन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पाकिस्तान की अलग परिस्थितियां खिलाड़ियों को खुद को परखने का बेहतरीन अवसर देंगी। उन्होंने आदिल राशिद और सैम करन की वापसी पर खुशी व्यक्त की और मेसन क्रेन के लगातार अच्छे प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और अवसर के हकदार हैं। वह त्रिकोणीय सीरीज पाकिस्तान के रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। टीमों के बीच डबल राउंड मुकाबले होंगे, जिसके बाद अंक तालिका में शीर्ष दो टीमों फाइनल में भिड़ेंगी। फाइनल मुकाबला 31 अक्टूबर को लाहौर के

गद्गढ़ी स्टेडियम में प्रस्तावित है।

16 सदस्यीय टीम इस प्रकार है: हैरी ब्रुक (कप्तान), गस एटकिंसन, सॉनी बेकर, टॉम बैटन, जेम्स कोल्स, जॉर्डन कॉक्स, मेसन क्रेन, हेनरी क्रोकोम्ब, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट और जोश टंग। इंग्लैंड की टीम में हैरी ब्रुक कप्तान हैं। उनके अलावा गस एटकिंसन, सॉनी बेकर, टॉम बैटन, जेम्स कोल्स, जॉर्डन कॉक्स, मेसन क्रेन, हेनरी क्रोकोम्ब, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट और जोश टंग टीम में शामिल हैं।

टेस्ट क्रिकेट सबसे अधिक समय कप्तानी का रिकार्ड है स्मिथ सहित इन खिलाड़ियों के नाम

जोहांसबर्ग। टेस्ट क्रिकेट में सबसे लंबे समय तक कप्तानी करने के साथ ही रिकार्ड प्रदर्शन की उपलब्धि भी कई खिलाड़ियों के नाम है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान वीम स्मिथ इस मामले में पहले नंबर पर हैं। स्मिथ ने साल 2003 से 2014 के बीच रिकार्ड 109 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की।



होता, बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होती है।

वेस्टइंडीज के ब्रयान लारा भी इस प्रतिष्ठित सूची का हिस्सा हैं। कैरेबियाई क्रिकेट के स्वर्णिम युग के समापन के बाद उन्होंने 1998 से 2006 के बीच 47 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी संभाली, जिसमें वेस्टइंडीज को 26 टेस्ट मैच गंवाने पड़े। हारने वाले मैचों में भी लारा का बल्ला जमकर बोला; उन्होंने 40.50 की बेहतरीन औसत से 2106 रन बनाए, जिसमें 202 रनों के सर्वोच्च स्कोर के साथ 5 शतक शामिल थे। वहीं, साल 1980 और 1990 के दशक में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को एक नई दिशा देने का श्रेय एलन बॉर्डर को जाता है। 1984 से 1994 के बीच उन्होंने 93 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान संभाली। उनके कप्तानी दौर में ऑस्ट्रेलिया को 22 टेस्ट मैचों में हार मिली। दबावपूर्ण परिस्थितियों में भी बॉर्डर ने 27.14 की औसत से 1140 रन बनाए, जिसमें नाबाद 152 रनों की शतकीय पारी शामिल थी।

स्टीफन फ्लेमिंग दूसरे स्थान पर हैं। फ्लेमिंग ने 1997 से 2006 के बीच 80 टेस्ट मैचों में कीवी टीम की कप्तान संभाली, जिसमें उनकी टीम को 27 में हार मिली। अपनी कप्तानी में न्यूजीलैंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले फ्लेमिंग ने कप्तान के रूप में 117 रनों की एक शतकीय पारी सहित कुल 1589 रन बनाए।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने 2017 से 2022 तक 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की, जिससे वह तीसरे सबसे लंबे समय तक कप्तान रहे। यह वह

दौर था जब इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और रूट ने अकेले दम पर बल्लेबाजी का भार संभाला। उनके कप्तानी कार्यकाल में इंग्लैंड को 27 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा। कप्तान के रूप में रूट का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा; उन्होंने 1793 रन बनाए, जिसमें नाबाद 180 रनों का एक यादगार शतक शामिल था। हालांकि, यह कार्यकाल इस बात का प्रमाण है कि टेस्ट क्रिकेट में जीत के लिए सिर्फ एक खिलाड़ी का प्रदर्शन पर्याप्त नहीं

2027 एकदिवसीय विश्वकप में ये हो सकती है भारत की 15 सदस्यीय टीम

दुबाई। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया को संयुक्त मेजबानी में साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के अलावा, चिर-पलिट्वंदी पाकिस्तान के अलावा सह-मेजबान जिम्बाब्वे का सामना करना होगा।

सुपर-7 स्टेज तक पहुंचने की कठिन राह को देखते हुए भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह मिल सकती है।

इसके तहत ही शीर्ष क्रम की बात करें तो उसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल की जगह लगभग पक्की है। इनपर टीम को मजबूत शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी बैकअप विकल्प के तौर पर यशस्वी जायसवाल को दल में शामिल किया जा सकता है। जायसवाल को भविष्य के सलामी बल्लेबाज के तौर पर देखा जा रहा है, और आगामी सभी एकदिवसीय सीरीज में उनकी लगातार



उपस्थिति 2027 विश्व कप के लिए उनकी दावेदारी को मजबूत करेगी।

वहीं मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर का नंबर-4 का स्थान मजबूत दिख रहा है। इस बल्लेबाजी क्रम पर अय्यर के पास काफी अनुभव है, और उन्होंने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 2000 से अधिक रन बनाए हैं। वहीं, विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल रहेंगे। वह पांचवें क्रम पर बल्लेबाज करेंगे। मिडिल ऑर्डर को और मजबूत करने और एक बैकअप विकेटकीपर के विकल्प के रूप में ऋषभ पंत का चयन भी हो सकता है। ये सभी होगा जब वह अपनी चोट से वापसी के बाद लय हासिल कर लेते हैं।

ऑलराउंडरों के तौर पर युवा नितीश कुमार रेड्डी और हार्दिक पांड्या दोनों को विश्व कप स्क्वाड में जगह मिल सकती है। रियन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा अपनी अहम भूमिका निभाते हुए दिखेंगे, जबकि वाशिंगटन सुंदर को बैकअप स्पिन ऑलराउंडर के रूप में अफ्रीका ले जाया जा सकता है, जो पिछों की प्रकृति के अनुसार उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में, जसप्रीत बुमराह भारत के तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे होंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज और युवा हर्षित राणा को स्क्वाड में जगह मिल सकती है। हर्षित राणा पिछले कुछ महीनों से चोटिल चल रहे हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की पिछों पर उनकी लंबाई, खतरनाक गति और उछाल प्रभावी सिद्ध हो सकता है। इसके अतिरिक्त, वह निचले क्रम में बल्लेबाजी में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। रियन विभाग में, कुलदीप यादव मुख्य स्पिनर की भूमिका में दिखेंगे।

भारत का संभावित दल:

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, हार्दिक पांड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह।

कारोबार

बढ़ेगी रफ्तार: तीन नए लॉजिस्टिक पार्क से माल ढुलाई होगी आसान

2870 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना

नई दिल्ली। देश में माल ढुलाई को आसान बनाने और व्यापार को रफ्तार देने के लिए केंद्र ने एक बड़ा कदम उठाया है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तहत काम करने वाली नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड देश भर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित कर रही है। इसी कड़ी में पटना, नासिक और हैदराबाद में तीन नए लॉजिस्टिक



पार्क बनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है, जिन पर करीब 2,870 करोड़

रुपये के निवेश की संभावना है। पटना, हैदराबाद से नासिक

तक योजनाएं

सूत्रों के मुताबिक, तीनों परियोजनाओं की अंतिम रिपोर्ट बनाकर स्वीकृति के लिए सरकार के पास भेज दी गई है। मंजूरी मिलते ही टेंडर और निर्माण की प्रक्रिया तेजी से शुरू कर दी जाएगी। पटना में 870 करोड़ रुपये की लागत से 103 एकड़ जमीन पर पार्क बनेगा। हैदराबाद में 1,300 करोड़ रुपये की लागत से सबसे बड़ा यानी 156 एकड़ में पार्क तैयार किया जाएगा। नासिक में 700 करोड़ रुपये की

लागत से 123 एकड़ क्षेत्र में इसका निर्माण होगा।

दिल्ली-मुंबई रेल रूट की वदेगी रफ्तार

दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यात्री और मालगाड़ियों का दबाव कम करने के लिए वडोदरा-रतलाम के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाई जाएगी। रेल मंत्रालय ने 259 किमी लंबी परियोजना को विशेष रेल परियोजना घोषित किया है। परियोजना को 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

नौकरी बाजार में एआई की मांग 20% बढ़ी

अनुभवी लोगों को ज्यादा मौके; किन क्षेत्रों में रोजगार घटा?

नई दिल्ली। नौकरी की तलाश रहे युवाओं के लिए बाजार का रुख अब बदलता दिख रहा है। कंपनियां अब केवल ज्यादा लोगों की भर्ती करने के बजाय खास कौशल और अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही हैं।

सितंबर में एआई व मशीन लर्निंग (एमएल) से जुड़ी नौकरियों में सालाना आधार पर 20% की बढ़ोतरी हुई,



जबकि कुल व्हाइट-कोलर नौकरियों में महज मामूली बदलाव आया। नौकरी डॉट कॉम की जॉबस्पीक रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में कुल भर्ती सूचकांक 2 फीसदी बढ़कर 3,053 हो गया, जो एक साल पहले 3,002 पर था। यानी नौकरी बाजार पूरी तरह कमजोर नहीं हुआ, लेकिन कंपनियां भर्ती करते समय अब पहले से कहीं ज्यादा सतर्क हो गई हैं।

अनुभव का कोई जोड़ नहीं

एआई का क्षेत्र सिर्फ नए इंजीनियरों के लिए ही नहीं, बल्कि पहले से काम कर रहे अनुभवी कर्मचारियों के लिए भी नए अवसर खोल रहा है। कंपनियां अब एआई के साथ काम करने वाले कर्मचारियों की तलाश कर रही हैं, वहीं पुराने कर्मचारियों के अनुभव का इस्तेमाल एआई आधारित नए कामों में किया जा रहा है। 3-16 साल के अनुभव वाले पेशेवरों की भर्ती 54% बढ़ी, जबकि 8-12 साल के अनुभव वाले लोगों की मांग में 28% वृद्धि हुई। कुल नौकरी बाजार

में 8-12 साल के अनुभव वाले लोगों की भर्ती 5% बढ़ी है। 13-16 साल के अनुभव वालों की मांग में 7% की बढ़ोतरी हुई।

इस बदलाव का क्या मतलब?

रिपोर्ट का सबसे बड़ा संकेत यह है कि नौकरी बाजार में हर क्षेत्र में समान अवसर नहीं बढ़ रहे हैं। कंपनियों का ध्यान अब खास तकनीकी और व्यावसायिक क्षमताओं वाले कर्मचारियों की तरफ ज्यादा है। इन्फो एज के प्रबंध निदेशक हितेश ओबेरॉय ने कहा कि सितंबर के आंकड़ों से पता चलता है कि भर्ती बाजार स्थिर है, लेकिन कंपनियां अब ज्यादा चयनात्मक हो रही हैं। विशेष कौशल और अनुभवी पेशेवरों की मांग बढ़ रही है।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) में भी नौकरियों की रफ्तार बढ़ी है। सितंबर में जीसीसी से जुड़ी नौकरियां सालाना आधार पर 4% बढ़ीं। हैदराबाद में भर्तियों की संख्या में 23%, चेन्नई में 13% और पुणे में 11% की वृद्धि रही।

महंगाई की आशंका बढ़ी: आरबीआई पर ब्याज दर बढ़ाने का दबाव, रुपया भी कमजोर; क्या अक्तूबर में बढ़ेगा रेपो रेट?

नई दिल्ली। महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच आरबीआई पर ब्याज दर बढ़ाने का दबाव बढ़ गया है। रुपये की कमजोरी और विदेशी निवेश की बिकवाली भी चुनौती बनी हुई है। क्या अक्तूबर की बैठक में रेपो रेट बढ़ाकर आरबीआई महंगाई पर लगाम लगाने की कोशिश करेगा? पढ़िए इस रिपोर्ट में।

दरें बढ़ाने का दबाव बढ़ गया है। 15 से 7 अक्तूबर तक होने वाली आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में इस बार दरें बढ़ाने का फैसला किया जा सकता है। रॉयटर्स के अर्थशास्त्रियों के सर्वे के मुताबिक, आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर सकता है। ऐसा हुआ तो फरवरी 2023 के बाद पहली बार रेपो दर 5.25 फीसदी के पार निकलेगी। सर्वे में शामिल 53 में से 29 अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर तक 25 आधार अंकों की एक और बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। अगरस्त में देश की खुदरा महंगाई बढ़कर 4.82 फीसदी हो गई, जो आरबीआई



के 4 फीसदी लक्ष्य से लगातार तीसरे महीने ऊपर रही। थोक महंगाई भी अगस्त में बढ़कर 9.92 फीसदी हो गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व व जापान केंद्रीय

बैंक द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बाद आरबीआई के ऐसा करने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

6.5% के पार जा सकती है महंगाई

एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, खुदरा महंगाई सितंबर में बढ़कर करीब 5.65 फीसदी और अक्तूबर-नवंबर में 6.5 फीसदी से ऊपर जा सकती है। हालांकि, 2027 की शुरुआत में इसके फिर 6 फीसदी से नीचे आने का अनुमान है। ब्रोकरेज ने अक्तूबर की बैठक में रेपो दर 25 आधार अंक बढ़ने की संभावना जताई है।

रुपये और विदेशी निवेश की चुनौती : डॉलर के मुकाबले रुपया इस साल करीब 6 फीसदी कमजोर हो चुका है। वहीं, अमेरिकी ब्याज दरों में बढ़ोतरी और भारत-अमेरिका ब्याज दरों के अंतर में कमी के कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी जारी है।

रुपये और विदेशी निवेश की चुनौती : डॉलर के मुकाबले रुपया इस साल करीब 6 फीसदी कमजोर हो चुका है। वहीं,

अमेरिकी ब्याज दरों में बढ़ोतरी और भारत-अमेरिका ब्याज दरों के अंतर में कमी के कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी जारी है।

पिछली पांच बैठकों में क्या हुआ?

आरबीआई ने दिसंबर 2025 में रेपो रेट को 5.50% से घटाकर 5.25% किया था। 2026 में फरवरी, अप्रैल, जून और अगस्त की बैठकों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अमित शाह ने भोपाल में नए कानूनों पर केन्द्रित प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

उज्जैन को दिया 255 करोड़ रुपये के डेयरी प्लांट का तोहफा

भोपाल। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राजधानी में गोपालकों के सम्मेलन को पहुंचे।

यहां उन्होंने देश में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के बाद आए व्यवस्थागत परिवर्तनों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और उसका गहन अवलोकन किया। इसके बाद वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ गोपालक सम्मेलन के मंच पर भी शामिल हुए।

प्रदर्शनी का वारीकी से किया निरीक्षण

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोपहर 12:13 बजे प्रदर्शनी का अवलोकन शुरू किया। प्रदर्शनी के



माध्यम से यह दर्शाया गया था कि नए कानूनों के लागू होने के बाद पुलिस और न्याय प्रणाली में किस तरह से तकनीकी और प्रक्रियात्मक



बदलाव आए हैं। गृह मंत्री ने अमित शाह ने जिला एवं सत्र न्यायालय की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था और

प्रकाश अस्पताल की प्रदर्शनी में विशेष रूप से समय बिताया। उन्होंने जबलपुर हाई कोर्ट की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और लगभग 13

मंच पर दिग्गज नेताओं की मौजूदगी

प्रदर्शनी के उद्घाटन और अवलोकन के दौरान प्रदेश के वरिष्ठ नेता और मंत्री मंच पर मौजूद रहे। गोपालक सम्मेलन के मंच पर केन्द्रीय गृह मंत्री के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कृष्णा गौर, एदल सिंह कंसाना, महापौर मालती राय और विधायक रामेश्वर शर्मा सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मिनट तक पुलिस विभाग की प्रदर्शनी में रुककर नई कार्यप्रणालियों की जानकारी ली। पुलिस विभाग के काउंटरों के निरीक्षण के बाद वे सहकारिता विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में पहुंचे।

अमित शाह ने तीन लाख लीटर क्षमता वाले डेयरी प्लांट का किया लोकार्पण

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उज्जैन में 255 करोड़

रुपये की लागत से तीन लाख लीटर क्षमता वाले डेयरी प्लांट का लोकार्पण किया। भोपाल में 16.5 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई सहकारी क्षेत्र की पहली प्रयोगशाला का भी उन्होंने शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले दुग्ध उत्पादक किसानों को सम्मानित किया। लखपति गोपालक दीदियों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोपालक सम्मेलन की व्यवस्थाओं के संबंध में दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की 3 अक्टूबर को प्रस्तावित भोपाल यात्रा से प्रदेश को कई सौगातें प्राप्त होंगी। इस दौरान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन में बड़ी संख्या में दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे। इसके साथ ही भौरी स्थित आइसर (इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च) में आयोजित कार्यक्रम युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री श्री शाह के भोपाल आगमन और गोपालक सम्मेलन की व्यवस्थाओं की मुख्यमंत्री निवास में समीक्षा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गोपालक सम्मेलन भेल दशहरा मैदान पर आयोजित है। जिसमें आस-पास के जिलों की दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के बड़ी संख्या में भाग लेने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन की व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए कि सदस्यों के आवागमन, बसों की पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। प्रत्येक जिले से आने वाली बसों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त हो तथा व्यवस्था में लगे सभी लोग कंट्रोल रूम के माध्यम से परस्पर समन्वय में रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर सफाई, पेयजल, भोजन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा, फायर ब्रिगेड आदि की व्यवस्थाओं की विन्तुवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहर में निर्बाध ट्रेफिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पानी का पंप चालू छोड़कर गए, शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

इंदौर में रहवासियों ने सूझबूझ से टाला बड़ा हादसा

इंदौर। कनाडिया रोड स्थित शिव शक्ति नगर में शुक्रवार दोपहर एक मकान से अचानक धुआं उठने पर अफर-तफरी मच गई।

रहवासियों ने समय रहते आग देख ली और सूझबूझ दिखाते हुए बिजली सप्लाई बंद कर पानी डालकर आग पर काबू पा लिया। इससे आग के विकराल रूप लेने से पहले ही बड़ा हादसा टल गया।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे की है। आग मोहेश गर्ग के मकान में लगी थी। मकान से धुआं निकलता देख पंकज पुराणिक,



विशाल पुराणिक सहित अन्य रहवासी मौके पर पहुंचे। घर में ताला लगा था। ऐसे में विशाल दीवार कुदकर अंदर पहुंचे और ताला तोड़कर पानी डालना शुरू किया। बिजली सप्लाई बंद कर दी

रहवासियों के अनुसार, दोपहर में कारोबारी ने घर में पानी की मोटर चालू की थी। किसी काम से जल्दी में निकलते समय वह मोटर बंद करना भूल गए।

मोटर काफी देर तक चलती रही, जिससे तार गर्म होकर जल गए। इसके बाद शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। समय रहते रहवासियों की नजर पड़ने से आग को फैलने का मौका नहीं मिला। फायरकर्मी भी आग बुझने की सूचना मिलने पर रास्ते से ही लौट गए। एक अन्य घटना आजाद नगर में हुई। गुरुवार रात अबरार वारसी के मकान में आग लग गई थी। इससे गृहस्थी का सामान जल गया था।

भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की तरह है माउथ ऑर्गन: मुख्यमंत्री

माउथ ऑर्गन के महाकुंभ में जुटे हैं 16 राज्यों के 180 कलाकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माउथ ऑर्गन भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी के समान है। दोनों में सातो स्वर समाहित हैं। ईश्वर ने हमारे रोम-रोम में स्वरो का स्पंदन दिया है, बारिश की बूंद के आधार पर पैदा होने वाली ध्वनि से महादेव का डमरु दुनिया का पहला वाद्य यंत्र बना। यह सौभाग्य का विषय है कि प्रदेश में महाकाल और ओंकारेश्वर 2 ज्योतिर्लिंग हैं। बाबा महाकाल हमें जीवन देते हैं और ओंकारेश्वर के ॐ की ध्वनि से ही हम संगीत का रसस्वादन करते हैं। प्रभु श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण के काल से ही हमारी संस्कृति में 64 कला और 14

विधाओं का विशिष्ट स्थान रहा है। हमारे सभी देवी-देवताओं के पास कोई एक वाद्य यंत्र अवश्य मिलता है, देवताओं के हाथों में एक और शस्त्र नजर आता है तो दूसरी ओर शास्त्र। इन दोनों का मेल केवल सनातन संस्कृति में ही मिल सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार 13वें भारतीय हार्मोनिका महोत्सव 2026 के अंतर्गत इंडियन माउथ ऑर्गन प्लेयर्स मीट :2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में माउथ ऑर्गन वादकों के अखिल भारतीय सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक



कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विरासत से विकास के संकल्प के आधार

पर मध्यप्रदेश सरकार कला-संस्कृति क्षेत्र को विशेष प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। प्रदेश की सांगीतिक परम्परा संगीत सम्राट तानसेन, बैजू बावरा और कुमार गंधर्व जैसी विभूतियों से समृद्ध रही है।

मध्यप्रदेश की धरती से संगीत परंपरा समृद्ध हो रही है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर भोपाल में भारतीय हार्मोनिका महोत्सव के विशेष आयोजन में देश के 16 राज्यों से लगभग 180 कलाकार प्रदेश की राजधानी भोपाल में जुटे हैं। इस अद्भुत आयोजन में 7 से 87 वर्ष की आयु तक के कलाकार अपनी माउथ ऑर्गन की प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित कर रहे हैं। यह आयोजन केवल कलाकारों का मिलन नहीं है, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले हार्मोनिका के साधकों का महाकुंभ है। वर्तमान समय में मध्यप्रदेश की धरती से संगीत परंपरा समृद्ध हो रही है। राज्य सरकार प्रदेश के बहुमुखी विकास के लिए कला-संस्कृति, उद्यमीमान कलाकारों सहित प्रत्येक क्षेत्र को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी भी माउथ ऑर्गन के जैसी थी। उज्जैन स्थित श्री महाकाल मंदिर में प्राचीन वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने "एक भारत-श्रेष्ठ

भारत" की कल्पना की है।

एमपी पुलिस के केएफ रुस्तमजी पुरस्कार की घोषणा

इंदौर। मध्य प्रदेश पुलिस में अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी वीरता के लिए दिए जाने वाले केएफ रुस्तमजी पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। पुरस्कार की लिस्ट में इंदौर से किसी भी पुलिस ऑफिसर का नाम नहीं है। लिस्ट में प्रदेशभर के 41 पुलिस कर्मियों के नाम शामिल हैं।

इंदौर से लिस्ट में केवल एक



नाम इंदौर से इस लिस्ट में हेड कांस्टेबल इमरान खान का नाम शामिल हैं। विशेष सशस्त्र बल ये

हेड कांस्टेबल फिलहाल एटीएस में पोस्टेड हैं। एक अक्टूबर 2024-25 में इस पुरस्कार की शुरुआत डीजीपी कैलाश मकवाणा ने की

थी। के एफ रुस्तमजी पुरस्कार पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ साहसिक कार्यों के लिए दिया जाता है। इनमें तीन कैटेगरी है।

परम विशिष्ट श्रेणी इसमें पांच लाख रुपये नकद या हथियार और सर्टिफिकेट दिया जाता है। इस बार यह पुरस्कार भोपाल एटीएस एसआई राम विलास हुंडा को मिला है।

अति विशिष्ट श्रेणी इसमें दो लाख रुपये कैश या हथियार और सर्टिफिकेट दिया जाता है। इस बार यह पुरस्कार रतलाम

जिले के जावरा थाने के एसआई रघुवीर जोशी, बालाघाट एसआईबी में हेड कांस्टेबल अब्दुल खालिद कुरैशी, भोपाल एटीएस में हेड कांस्टेबल ताराचंद शुक्ला, खंडवा एटीएस में कांस्टेबल पंकज सिन्हा, भोपाल एटीएस मुख्यालय में कांस्टेबल अश्वय सिंह को मिला है।

विशिष्ट श्रेणी

इस पुरस्कार में 50 हजार रुपये कैश और सर्टिफिकेट दिया जाता है। इस बार प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से यह 31 पुलिस ऑफिसर और कर्मचारियों को दिया गया है।

गांधी जयंती, उच्चाधश्नों को जीवन में उतारने का पेरणा दिवस : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि गांधी जयंती केवल महात्मा गांधी को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके उच्चाधश्नों को अपने आचरण में उतारने का प्रेरणा दिवस है। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म प्रार्थना सभा में गाए जाने वाले भजनों के संदेश का प्रतिदिन चिंतन करें और उन्हें जीवन में उतारने का प्रयास करें। यही महात्मा गांधी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल की प्रेरणा पर उपस्थित जनों ने क्रोध नहीं करने का संकल्प भी लिया।

ग्वालियर में 70 हजार उपभोक्ताओं के घरेलू गैस कनेक्शन होल्ड पर, अब 1700 रुपए में मिलेगा 10 किलो का सिलेंडर

ग्वालियर। ग्वालियर में ई-केवाईसी न कराने वाले घरेलू गैस सिलिंडर अब परेशानी में फंस गए हैं। ऐसे 70 हजार उपभोक्ताओं के कनेक्शन हैं जो केंद्र सरकार के निर्देशों के पालन के तहत 30 सितंबर तक ई-केवाईसी नहीं करा सके, अब इनके कनेक्शन एक सितंबर से होल्ड हो गए हैं।

ऐसे उपभोक्ता अब बुकिंग भी नहीं करा सकते। यह अधिकतर उपभोक्ता इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन

के हैं। अब फिलहाल यह संकट हो गया कि अगर यह ई-केवाईसी कराते भी हैं तो कनेक्शन को बहाल होने में दो दिन का समय लग जाएगा।

1700 रुपए में मिलेगा सिलेंडर

इसके अलावा तब तक सिलिंडर की उपलब्धता चाहिए तो 10 किलो वाला छोटा सिलिंडर मिलेगा, जो गैर घरेलू श्रेणी में प्राप्त होगा। इसके लिए 1700 रुपये देने होंगे। जिन उपभोक्ताओं ने ई-केवाईसी नहीं

कराया है उनमें आईओसीएल के 52 हजार उपभोक्ता हैं। तीनों गैस कंपनियों के मिलाकर होल्ड वाली कुल उपभोक्ता संख्या 70 हजार है।

एक अक्टूबर से नियम अनिवार्य

बता दें कि, एक अक्टूबर से 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर के लिए ई-केवाईसी का नियम अनिवार्य कर दिया गया है यानी जिन यूजर्स के एलपीजी कनेक्शन की ई-केवाईसी पूरी नहीं होगी, वे 14.2



किलो वाले घरेलू सिलेंडर की बुकिंग भी नहीं कर पाएंगे। इसके लिए थंब इंप्रेशन से वेरिफिकेशन होगा। ई-केवाईसी को लेकर लगातार पिछले कुछ समय से तिथि बढ़ाई जा रही थी यह कई बार बढ़ चुकी है। अब 30 सितंबर की आखिरी तिथि के बाद इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। एक अक्टूबर से यह स्थिति जिन उपभोक्ताओं का आर्थेटिकेशन हो चुका है, ऐसे उपभोक्ता पहले की तरह सविस्डी



अक्टूबर महीने में गर्मी दिखा रही तीखे तेवर

ग्वालियर। अक्टूबर महीने की शुरुआत हो चुकी है। इस माह में शुष्क रहने के बावजूद मौसम सुहावना रहता है लेकिन ग्वालियर में गर्मी के तेवर तीखे ही नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को शहर का अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा।

धार सबसे गर्म शहर

इसके साथ ही ग्वालियर प्रदेश में दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 22.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिनभर तेज धूप और उससे के कारण लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, 37 डिसे तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर धार रहा।

ग्वालियर का पारा भोपाल, जबलपुर, सागर, रीवा और सतना जैसे बड़े शहरों से ज्यादा दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में शहर में वर्षा नहीं हुई, जिससे वातावरण में नमी तो बनी रही, लेकिन बादलों की अनुपस्थिति ने गर्मी बढ़ा दी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून की विदाई के बाद फिलहाल उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं का प्रभाव नहीं बन पाया है। इसी कारण दिन के तापमान में अपेक्षित गिरावट नहीं आ रही। अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

जल्द बदलेगा मौसम का मिजाज

हालांकि, रात के तापमान में धीरे-धीरे कमी आ सकती है, जिससे सुबह और देर रात हल्की ठंडक महसूस होने लगेगी। शहरवासियों को अभी कुछ दिन और गर्मी झेलनी पड़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में मौसम का मिजाज बदलेगा और सर्दी की दस्तक महसूस होने लगेगी।

मानसून गया, अब सर्दी का इंतजार

इस बार मानसून की विदाई के बाद भी तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे उत्तर भारत में पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हवाएं सक्रिय होंगी, ग्वालियर-चंबल अंचल में रात का तापमान तेजी से गिरेगा और अक्टूबर के मध्य से सर्दी का असर दिखने लगेगा।

सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद पर भाजपा का कब्जा



आगर-मालवा। सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद के उपचुनाव की मतगणना के बाद आए परिणाम में भाजपा के प्रदीप सोनी ने कांग्रेस के विष्णु पाटीदार को दी मात

प्रदीप सोनी ने कांग्रेस के विष्णु पाटीदार को दी मात

जश्न मनाया प्रदीप सोनी ने कुल 960 वोटों से जीत हासिल की है इस दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पख्ता इंतजाम किए थे, कुल तेरह हजार आठ सौ तैनातीस मतों में से दस हजार पांच सौ पंद्रह मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए अध्यक्ष पद के लिए मतदान किया था। इस जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी जीत की प्रसन्नता जताते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को भी बधाई दी।

सड़क हादसे के 15 महीने बाद हुई युवक की मौत

इंदौर। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होकर कोमा में गए युवक ने 15 माह तक जिंदगी के लिए जग लड़ी। उसका अलग-अलग अस्पतालों में उपचार चलता रहा, लेकिन उसकी मृत्यु हो गई। मृत युवक के स्वजन को जिला कोर्ट ने 52.82 लाख रुपये क्षतिपूर्ति देने के आदेश बीमा कंपनी को दिए हैं। हादसे में एक अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हुआ था। कोर्ट ने उसे भी क्षतिपूर्ति दिलवाई है। हादसा 31 मार्च 2023 को हुआ था। हलवाई का काम करने वाले 32 वर्षीय लेखपाल अपने साथी हरिओम के साथ पैदल सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान वारे पहिया वाहन के ड्राइवर ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में लेखपाल के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उनका इंदौर और आगरा में उपचार चला। दुर्घटना के बाद से वह कोमा में रहे। 23 जून 2024 को उनकी मृत्यु हो गई।